MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 19 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-167

कांग्रेस झारखंड-खंड

क्रॉस वोटिंग से जीते नाथवानी

नयी दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।
12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों के लिए गुरुवार को चुनाव प्रक्रिया पूरी हो गई। इनमें से 19 सीटें एनडीए को, इंडिया ब्लॉक को 6 और एक सीट मिजोरम की जोराम पीपुल्स मूवमेंट को मिली।

इस चुनाव में एनडीए और इंडिया ब्लॉक को एक-एक सीट का फायदा हुआ।

23 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। गुरुवार को झारखंड की 2 और मिजोरम की एक राज्यसभा सीटों के रिजल्ट आए। झारखंड में एक सीट एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार उद्योगपति परिमल नाथवानी और दूसरी झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम ने जीती।

झारखंड में क्रॉस वोटिंग की वजह से परिमल को जीत मिली। यहां 3 वोट अवैध पड़े। कांग्रेस ने आरजेडी और लेफ्ट पर साथ ना देने का आरोप लगाया। वहीं, मिजोरम की एक सीट पर जोराम पीपुल्स मूवमेंट प्रत्याशी के. लल्टलुआंगकिमा जीते।

झारखंड में 81 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 28 विधायकों के समर्थन की जरूरत होती है। अभी की मौजूदा स्थिति में एनडीए के 24, जेएमएम-कांग्रेस के गठबंधन के 56 और जेकेएलएम का एक विधायक है।

झारखंड में क्रॉस वोटिंग से मिली जीत

जेएमएम के प्रत्याशी बैद्यनाथ राम को 31 वोट मिले हैं। इस तरह उनकी जीत तय हो गई।

दूसरी सीट के लिए एनडीए समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी और कांग्रेस के प्रणव झा के बीच मुकाबला हुआ। नाथवानी को 30 वोट मिले, इनमें दो अवैध हो गए। वहीं, प्रणव झा को 20 मिले, इसके एक वोट अवैध हो गया। नाथवानी को एनडीए के 24 और 4 वोट क्रॉस वोटिंग में मिले और वह जीत गए।

26 में से 23 सीटों पर निर्विरोध उम्मीदवार जीते

10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव हुए। इनमें से 8 राज्यों की 21 सीटों पर प्रत्याशी निर्विरोध जीते, जबकि 2 राज्य (झारखंड और मिजोरम) की 3 सीटों पर उम्मीदवार ज्यादा होने की वजह से चुनाव हुए। वहीं, महाराष्ट्र और तमिलनाडु की एक- एक सीट पर उपचुनाव हुए, इनमें भी प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए।

मिजोरम की सत्तारूढ़ जोराम पीपुल्स मूवमेंट (ज़ेडपीएम) का कोई सांसद पहली बार राज्यसभा पहुंचा है। के लल्टलुआंगकिमा ने राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट जीत ली है। लल्टलुआंगकिमा को 36 में से 26 वोट मिले, जबकि विपक्षी मिजो नेशनल फ्रंट की उम्मीदवार जोथानसांगी हमार को 10 वोट मिले।

भाजपा के दो और कांग्रेस के एक विधायक ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जबकि ज़ेडपीएम के एक विधायक स्वास्थ्य कारणों से वोट नहीं डाल सके। 2017 में बनी ज़ेडपीएम के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। लल्टलुआंगकिमा पार्टी के पहले राज्यसभा सांसद बने हैं। वह 1972 के बाद राज्यसभा पहुंचने वाले मिजोरम के आठवें नेता हैं। राज्य में विधानसभा की 40 सीटें हैं।

राज्यसभा में एनडीए को बहुमत से 29 सीटें ज्यादा

राज्यसभा में एनडीए के पास 151 सीटें हो गईं हैं, जो बहुमत से 29 ज्यादा हैं। वहीं खछूखअ ब्लॉक के खाते में सिर्फ 65 सीटें हैं। अन्य के खाते में 26 सीटें हैं। टीएमसी में फूट के बाद तीन राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं। जिससे सदन में 3 सीटें खाली हो गईं हैं।

रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन अटैक

यूक्रेन जलेगा तो रूस भी जलेगा

मॉस्को/कीव, 18 जून (एजेंसियां)।
यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, हम यह युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन अगर यूक्रेन जलेगा तो मॉस्को भी जलेगा।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र का एक ऑयल डिपो धमाके से तबाह हो गया। यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। मॉस्को की कपोतन्या ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद ऑयल डिपो टैंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पास के एक शॉपिंग सेंटर में भी आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कई ऊंची इमारतों को खाली कराया गया। हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानों पर रोक लगाई गई।

जेलेंस्की ने मॉस्को पर हमले को पिछले हफ्ते कीव पर रूस की कार्रवाई का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो रूस के युद्ध अभियान को सहारा दे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अब समय आ गया है कि रूस युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाए। उन्होंने यूक्रेन की विभिन्न सैन्य और खुफिया एजेंसियों की कार्रवाई की तारीफ भी की। हमले के समय रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन कजान में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेताओं के साथ शिखर बैठक में मौजूद थे। उन्होंने यूक्रेन के इस हमले पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।2022 में युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के ड्रोन हमले सीमित थे। 2023 में पहली बार उसके ड्रोन मॉस्को तक पहुंचे, लेकिन तब हमलों में कुछ ही ड्रोन इस्तेमाल किए जाते थे। ▶8पर

योगी आज अयोध्या में चंपत राय से रहेंगे दूर

अयोध्या, 18 जून (एजेंसियां)।
राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या जाएंगे। वह राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे, लेकिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय दूर रहेंगे। उन्हें कार्यक्रम में आने से मना किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन ने सीएम का जो प्रोटोकॉल लेटर जारी किया है, उसमें इस बात का जिक्र है। लेटर में पॉइंट नंबर 29 में चंपत राय से अनुरोध किया गया है कि योगी के राम मंदिर कार्यक्रम के लिए वह किसी अन्य व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि नामित करें। इसकी सूचना ड्यूटी मजिस्ट्रेट को दें।

चंपत राय राम मंदिर के सबसे पावरफुल शख्स हैं। पूरे मंदिर की जिम्मेदारी उन्हीं के पास है। मंदिर में जब भी कोई वीआईपी कार्यक्रम या दौरा हुआ है, चंपत राय उसमें हमेशा मौजूद रहे हैं। इधर, गुरुवार को चौथे दिन एसआईटी सुबह 8.30 बजे राम मंदिर पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा राशि की गिनती और उससे जुड़े कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर टीम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र से पूछताछ की। एसआईटी आरएमओ (रेडियो प्रचार निरीक्षक) अर्जुन सिंह और राम जन्मभूमि चौकी प्रभारी से भी पूछताछ कर सकती है। अर्जुन सिंह करीब 20 सालों से राम मंदिर में ड्यूटी कर रहे हैं। वह वीआईपी दर्शन से लेकर राम मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्थाओं से जुड़े रहे हैं। एसआईटी ने 3 दिनों में करीब 100 कर्मचारियों से पूछताछ की है। बीते 11 महीने के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा- भाजपा चढ़ावा चोरी कर रही है। इसमें बड़े लोग शामिल हैं। यह हिस्से के बंटवारे की लड़ाई है। सोने की ईंटें गायब हैं। भाजपा चोरी को दबाने की कोशिश कर रही है। चंपत राय और गोपाल राव की गिरफ्तारी होनी चाहिए। ये भगवान राम के नाम पर लूट कर रहे हैं। मामले की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच करानी चाहिए।

राम मंदिर में भी काशी के विश्वनाथ मंदिर की तरह (सी.ई.ओ) की नियुक्ति हो सकती है। सी.ई.ओ कोई सीनियर आईएएस होगा, जो कि राम मंदिर में व्यवस्था से जुड़े फैसले लेगा। ▶8पर

होर्मुज से 'आज़ाद और बेखौफ' गुजर रहे जहाज़

60 दिन की बातचीत की प्रोसेस शुरू

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।
ईरान और अमेरिका के बीच जंग खत्म करने के लिए हुई डील के बाद खाड़ी इलाकों में हालात फिर से नॉर्मल होने के संकेत मिलने लगे हैं। गुरुवार को सऊदी अरब के झंडे वाले तीन बड़े तेल टैंकर, जिनमें करीब 60 लाख बैरल कच्चा तेल लदा था, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरे। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से राहत की तस्वीरें सामने आई हैं, जहां से ऑयल टैंकर और शिप की आवाजाही अब आराम से हो रही है। हालांकि खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होता दिखाई दे रहा है, लेकिन लेबनान में संघर्ष अभी थमता नजर नहीं आ रहा। गुरुवार सुबह इजरायली सेना ने साउथ लेबनान में नए हवाई हमले किए, जिससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या ट्रंप अपने सहयोगी इजरायल पर जंग रोकने के लिए दबाव बना पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार को जंग खत्म होने के समझौते (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता पहले तय समय से दो दिन पहले ही लागू हो गया। इसके तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को तत्काल खोलने और ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकेबंदी हटाने का प्रावधान किया गया है। हालांकि शिपिंग कंपनियों का कहना है कि समुद्री यातायात को युद्ध-पूर्व स्तर तक पहुंचने में अभी समय लगेगा। ▶8पर

बेगानी शादी में...
ये कौन-सा पेपर साइन कर रहे शहबाज शरीफ

नयी दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।
ईरान और अमेरिका में डील हुई तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सबसे ज्यादा उत्साहित नजर आए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने नाम पर इस डील की मार्केटिंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 26^0

कांग्रेस में विलय चाहते हैं ठाकरे : बाग़ी

स्पीकर को चिट्ठी सौंपी, शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होंगे

मुंबई, 18 जून (एजेंसियां)।
शिवसेना में उसके स्थापना दिवस यानी 19 जून से ठीक एक दिन पहले बड़ी टूट हो गई। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 ने बगावत कर दी है। एक दिन पहले इन सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी सौंपी थी।

सांसदों ने चिट्ठी में उद्धव से अलग होने की वजह बताई है। उनका दावा है कि ठाकरे गुट के सीनियर नेता शिवसेना का विलय कांग्रेस में करना चाहते थे। उद्धव विचारधारा बदल चुके हैं। पार्टी का अस्तित्व बचाने के लिए हम अलग हो रहे हैं।

शिवसेना सांसद चंद्रकांत खैरे ने दावा किया कि बागी सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं। इसे उन्होंने महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर बताया। बागियों में नरेश म्हस्के, धैर्यशील माने, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजेनिंबालकर और भावनाबाई गवली शामिल हैं। ये सांसद गुरुवार को नई दिल्ली में उद्धव बुलाई बैठक में नहीं पहुंचे। नाराजगी जताने के बाद महाराष्ट्र पुलिस ने सभी बागी सांसदों को वाई-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दे दी। शिवसेना में 4 साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने ▶8पर

पूर्व पीएम के बेटे के साथ व्हाट्सएप पर साइबर फ्रॉड, 7.8 करोड़ की ठगी!

नयी दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।
दिल्ली में बैठे एक बड़े नेता के परिवार के साथ ऐसा होगा, शायद ही किसी ने सोचा होगा। लेकिन साइबर ठग अब इतने शातिर हो चुके हैं कि उनकी नजर आम लोगों के साथ-साथ बड़े नामों पर भी है। ताजा मामला देश के पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे और पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश गुजराल से जुड़ा है, जिन्हें करीब 7.8 करोड़ रुपये का बड़ा झटका लगा है। मामला सुनने में जितना हैरान करने वाला है, उतना ही डराने वाला भी है। बताया जा रहा है कि यह पूरा खेल वॉट्सऐप पर हुआ। ठगों ने इतनी सफाई से प्लान बनाया कि एक अनुभवी नेता भी इसमें फंस गए।

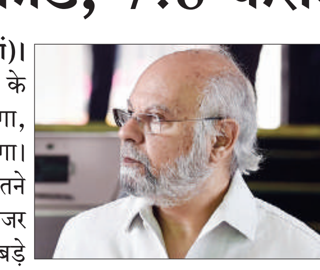

रिपोर्ट के मुताबिक, ठगों ने खुद को किसी भरोसेमंद शख्स की तरह पेश किया। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मैसेज इस तरह भेजे गए जैसे कोई करीबी या ऑफिस से जुड़ा शख्स पैसे ट्रांसफर करने को कह रहा हो। बात इतनी भरोसेमंद लगी कि रकम ट्रांसफर कर दी गई और बाद में पता चला कि यह एक बड़ा साइबर फ्रॉड था।

नरेश गुजराल की कंपनी में काम करने वाले एक सीनियर अधिकारी को एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। उस नंबर की प्रोफाइल फोटो नरेश गुजराल की लगी हुई थी, इसलिए अधिकारी को लगा कि मैसेज उनके ही बॉस ने भेजा है। मैसेज में अधिकारी को तुरंत एक बड़े अमाउंट को एक बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। शुरुआत में करीब 1.5 करोड़ रुपये आरटीजीएस के जरिए भेजने को कहा गया। आरटीजीएस एक ऐसा तरीका है जिससे बड़ी रकम तुरंत एक बैंक से दूसरे बैंक में ट्रांसफर हो जाती है।लेकिन असल में ये ▶8पर

जी7 में पीएम नरेन्द्र मोदी का एआई पर बड़ा संदेश तकनीक का असली परीक्षण मानव सशक्तिकरण है

एवियन (फ्रांस)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान सुरक्षित, तेज और प्रभावी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के रोलआउट को सुनिश्चित करना विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एआई आज वैश्विक समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन चुका है, क्योंकि इसकी परिवर्तनकारी क्षमता ने मानव जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि एआई की असली परीक्षा उसकी तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि यह है कि वह सामान्य नागरिकों को कितना सशक्त बना पाता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एआई का उपयोग मानव-केंद्रित होना चाहिए और इसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट मानना है कि साइबर स्पेस को वैश्विक सार्वजनिक हित को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। साथ ही, एआई तकनीक तक व्यापक और समावेशी पहुंच आवश्यक है, ताकि सभी लोकतांत्रिक देश अपनी महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा कर सकें और बढ़ते साइबर खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकें।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम को सुरक्षित-डिजाइन सिद्धांत पर विकसित किया जाना चाहिए, ताकि तकनीक के स्तर पर ही सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि एआई के लिए साझा मानक, परीक्षण ढांचे और रेगुलेटरी सैंडबाक्स विकसित किए जाने चाहिए, जिससे नवाचार और नियमन दोनों साथ-साथ आगे बढ़ सकें। पीएम मोदी ने डीपफेक, गलत सूचना और साइबर धोखाधड़ी जैसी चुनौतियों के खिलाफ वैश्विक सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि एआई का लाभ केवल कुछ देशों तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक स्तर पर सभी देशों तक भी पहुंचे, ताकि यह तकनीक समावेशी विकास का माध्यम बन सके, न कि विभाजन का कारण। उन्होंने अंत में कहा कि यदि एआई को जिम्मेदारी और सहयोग के साथ विकसित किया जाए, तो यह मानवता के लिए एक अत्यंत शक्तिशाली और सकारात्मक परिवर्तनकारी साधन बन सकता है।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल से बेहतर सीरिया हिज्बुल्लाह से लड़ सकता है, नेतन्याहू पर भड़के ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की रणनीति पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने साफ कहा है कि हिज्बुल्लाह से निपटने में इजराइल से बेहतर काम सीरिया कर सकता है। उनका मानना है कि लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्रवाई ने ईरान के साथ चल रही शांति वार्ता को पटरी से उतार दिया था। ट्रंप का यह बयान जी-7 शिखर सम्मेलन में कतर के अमीर से मुलाकात में सामने आया, जिसने पश्चिम एशिया की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि इजराइल हिज्बुल्लाह के खिलाफ अभियान तो चला रहा है, लेकिन इसमें आम लोगों की जान जा रही है। ट्रंप ने तंज कसा कि इजरायल सबको मारे बिना यह काम नहीं कर सकता, इसलिए सीरिया को यह काम करना चाहिए। ट्रंप का यह बयान इसलिए भी बहुत अहम माना जा रहा है, क्योंकि सीरिया लंबे समय से इजराइल का कट्टर विरोधी देश रहा है। ऐसे में ट्रंप का यह कहना कि सीरिया बेहतर तरीके से हिज्बुल्लाह से लड़ सकता है, इजराइल की रणनीति पर ट्रंप की सीधी नाराजगी माना जा रहा है। ट्रंप ने साफ कहा कि नेतन्याहू सरकार के इस कड़े रुख की वजह से ही ईरान के साथ चल रही शांति बातचीत प्रभावित हुई। उनके मुताबिक इस अभियान ने उस पूरी प्रक्रिया को करीब-करीब तबाह कर दिया था, जिसके जरिए क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशें की जा रही थीं। उन्होंने बताया कि रविवार को बेरूत पर हुए इजराइली हमले को लेकर भी उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इजराइल का यह हमला बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। बातचीत में ट्रंप ने इजराइल को उसकी सीमाएं याद दिलाते हुए कहा कि अमेरिका के समर्थन के बिना उसकी स्थिति बहुत कमजोर हो सकती थी।

50 तारे और 13 पट्टियों वाले अमेरिकी झंडे में छुपा हुआ है पूरा इतिहास

वाशिंगटन। क्या आप जानते हैं कि अमेरिका का झंडा हमेशा से 50 तारों वाला नहीं था, और न ही इसकी 13 लाल-सफेद धारियां सिर्फ खूबसूरती के लिए हैं यह झंडा अमेरिका की पूरी कहानी बयां करता है उसकी आजादी की लड़ाई की।13 छोटी कालोनियों का एक राष्ट्र बनने की, और फिर 50 राज्यों तक का सफर तय करने की। अमेरिकी झंडे को तारे और पट्टियां या ओल्ड ग्लोरी भी कहा जाता है। इसमें तीन मुख्य तत्व हैं: 13 लाल और सफेद धारियां, ऊपर बाईं तरफ एक नीला आयत जिसे कैंटन कहते हैं, और उस नीले आयत में 50 सफेद तारे। इन प्रतीकों का गहरा अर्थ है: 13 धारियां अमेरिका की मूल 13 ब्रिटिश कालोनियों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जबकि 50 तारे आज अमेरिका के 50 राज्यों को दर्शाते हैं। रंगों का भी अपना महत्व है; लाल रंग बहादुरी, बलिदान और आजादी की लड़ाई में बहे खून की पहचान है, सफेद रंग पवित्रता, निर्दोषता और शांति का प्रतीक है, और नीला रंग न्याय, दृढ़ता और सतर्कता का प्रतीक है।

पांचवीं बार इंजेक्शन की जरूरत क्यों पड़ी, इलाज योग्य डाक्टरों से कराया जाए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व पीएम इमरान खान महीनों से

आंखों की तकलीफ से जूझ रहे हैं। जेल प्रशासन इलाज के लिए पांचवीं बार उन्हें अस्पताल ले गया। अब उनके परिवार ने इस मामले को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाए हैं। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा है कि सरकार की ओर से मुहैया कराई गई जानकारी पर उन्हें भरोसा नहीं है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 15 जून की सुबह उन्हें जानकारी मिली कि इमरान खान को एक बार फिर अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल की ओर से पहले भी इमरान खान की स्थिति को लेकर संदिग्ध दावे किए गए हैं, जिनमें यह कहा गया था कि उनकी 90 फीसदी दृष्टि ठीक हो चुकी है, जबकि इमरान खान ने स्वयं इन दावों को खारिज किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अलीमा खान ने सवाल उठाया कि आखिर इमरान खान को पांचवीं बार इंजेक्शन की जरूरत क्यों पड़ रही है और मांग की कि उनका इलाज स्वतंत्र और योग्य विशेषज्ञों से कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की ओर से उनके अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है और अदालत के आदेशों के बावजूद परिवार को उनसे नियमित रूप से मिलने नहीं दिया जा रहा। अलीमा ने दावा किया कि कोर्ट ने इमरान खान से हर मंगलवार छह परिवार के सदस्यों को मिलने की इजाजत दी थी, लेकिन पिछले कई महीनों से इस आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है।

अमेरिका-ईरान समझौते पर ट्रंप और पेजेशकियन ने किए हस्ताक्षर

पेरिस (फ्रांस)

मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के मसौदे पर प्रारंभिक सहमति बन गई है। मसौदे में सैन्य गतिविधियों को रोकने, समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, ईरान के पुनर्निर्माण में सहयोग और परमाणु कार्यक्रम पर निगरानी जैसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार शाम फ्रांस के वर्साय पैलेस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान अमेरिका-ईरान समझौते के मसौदे पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर किए।

व्हाइट हाउस और फाक्स न्यूज ने अपने एक्स हैंडल पर सबसे पहले इसकी पुष्टि की। इसके बाद यह खबर दुनिया में आग की तरह फैल गई। ईरान के प्रेस टीवी, गल्फ न्यूज, अल जजीरा, सीएनएन, टाइम पत्रिका और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने, प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत और 60 दिन के भीतर अंतिम समझौते की दिशा में कदम शामिल हैं। बताया जाता है कि ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति ने पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के दौरान इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गया है।

अमेरिका ने इस दस्तावेज को संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामी गणराज्य ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन के रूप में जारी किया है। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना, ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार से जुड़े मुद्दों का समाधान करना और प्रतिबंधों में चरणबद्ध राहत देने के लिए एक ढांचा तैयार करना है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने पुष्टि की कि समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देकर दोनों पक्षों ने उस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस विषय पर ओमान और अन्य देशों के साथ काफी समय से परामर्श चल रहा था। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन से जुड़े अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन चुकी थी। बघाई ने कहा कि अब समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य पर इस्लामी गणराज्य ईरान की संप्रभुता और अधिकार सुरक्षित रहेंगे।

मसौदे के 14 बिंदु

- 1- सभी तरह के संघर्ष रुकेंगे: अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देशों ने तत्काल प्रभाव से सभी सैन्य अभियानों को समाप्त करने और भविष्य में एक-दूसरे के खिलाफ युद्ध या सैन्य कार्रवाई शुरू नहीं करने का संकल्प लिया है। इसमें लेबनान से जुड़े संघर्ष भी शामिल हैं। लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाएगा।
- 2-एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान: दोनों देश एक-दूसरे की स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति अपनाएंगे.
- 3- 60 दिनो में अंतिम समझौते का लक्ष्य।
- 4- अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटेगी: इसमें शर्त है कि एमओयू पर हस्ताक्षर होते ही अमेरिका ईरान के खिलाफ लागू नौसैनिक नाकाबंदी और अन्य बाधाओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू करेगा। 30 दिन के भीतर इसे पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।
- 5- होर्मुज जलडमरूमध्य: ईरान 60 दिन तक फारस की खाड़ी और ओमान सागर के बीच वाणिज्यिक जहाजों को मुफ्त और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराएगा। तकनीकी और सैन्य बाधाओं को हटाने तथा समुद्री बारूदी सुरंगों की सफाई के बाद 30 दिन में यातायात सामान्य स्तर पर पहुंचाने की योजना है।
- 6-ईरान के लिए 300 अरब डालर की आर्थिक योजना।
- 7-प्रतिबंध हटाने का रोडमैप तैयार किया जाएगा।
- 8-ईरान ने दोहराया है कि वह परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा। दोनों देश संवर्धित परमाणु सामग्री के निपटारे, यूरेनियम संवर्धन और अन्य परमाणु जरूरतों पर अंतिम समझौते के तहत विस्तृत चर्चा करेंगे।
- 9- वार्ता के दौरान यथास्थिति बनी रहेगी।
- 10- तेल निर्यात को तत्काल राहत: एमओयू लागू होते ही अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उनसे जुड़ी बैंकिंग, बीमा तथा परिवहन सेवाओं के लिए विशेष छूट जारी करेगा।
- 11- अमेरिका ईरान की फ्रीज या प्रतिबंधित संपत्तियों और धनराशि को उपयोग के लिए उपलब्ध कराने पर सहमत ।
- 12-निगरानी तंत्र: समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष कार्यकारी तंत्र स्थापित किया जाएगा।
- 13-अंतिम समझौते पर औपचारिक वार्ता शुरू होगी।
- 14- अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बाध्यकारी प्रस्ताव के जरिए वैधता प्रदान की जाएगी।

चीन की युद्ध तैयारी पर अमेरिकी कमांडर की चेतावनी तुरंत चाहिए 122 अरब डालर

वाशिंगटन

अमेरिका के हिंद प्रशांत क्षेत्र के कमांडर एडमिरल सैम पपारो ने चीन के साथ बढ़ते युद्ध के खतरे को लेकर अमेरिकी कांग्रेस को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि चीनी युद्ध का खतरा लगातार बढ़ रहा है और इस संभावित संघर्ष को रोकने के लिए अमेरिकी सेना को तत्काल नए हथियारों और क्षमताओं की जरुरत है। कमांडर ने इस उद्देश्य के लिए 122 अरब डालर के भारी-भरकम बजट की मांग की है।

रिपोर्ट के अनुसार, एडमिरल पपारो ने अमेरिकी कांग्रेस से अनुरोध किया है कि 67.4 अरब डालर मिसाइलों के लिए, 18 अरब डालर चीनी सैन्य नियंत्रण प्रणालियों का मुकाबला करने के लिए, 15 अरब डालर अंतरिक्ष-आधारित मिसाइल चेतावनी प्रणाली और जंगी क्षेत्र के निगरानी सेंसर के लिए, तथा 2.3 अरब डालर समुद्री और जमीनी ड्रोन सिस्टम के लिए आवंटित किए जाएं। यह आकलन प्रशांत क्षेत्र में प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए एक स्वतंत्र सैन्य मूल्यांकन है। अमेरिकी कमांडर ने कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बहुत ही खतरनाक होता जा रहा है और संघर्ष व संकट का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सेना को नए हथियार, बेहतर संचार और जासूसी प्रणालियों की तुरंत आवश्यकता है।

एडमिरल पपारो ने चीन की आक्रामक सैन्य आधुनिकीकरण की तीव्र गति, क्षेत्रीय विस्तार और रूस व उत्तर कोरिया के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चीनी सेना (पीएलए) सभी तरह की सेनाओं का ऐतिहासिक विस्तार कर रही है, जिसके दो मुख्य मिशन हैं ताइवान पर कब्ज़ा करना और अमेरिका तथा उसके सहयोगी देशों की रक्षा क्षमता का मुकाबला करना। कमांडर ने बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीएलए को 2027 तक ताइवान पर कब्जे के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। अमेरिकी कांग्रेस इस भारी भरकम बजट पर विचार कर रही है ताकि बढ़ती चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

लाखों मच्छरों के झुंड ने किया आसमान काला, वीडियो वायरल

मास्को। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लाखों लोगों को हैरानी में डाल दिया है। वीडियो में आसमान में हजारों-लाखों मच्छर एक साथ उड़ते हुए नजर आ रहे हैं। मच्छरों का यह झुंड इतना विशाल और घना है कि दूर से देखने पर यह किसी काले बादल जैसा दिखाई देता है। जानकारी के अनुसार, यह अविश्वसनीय घटना रूस के बुर्यातिया क्षेत्र की बताई जा रही है। यहां स्थित एक लेक अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए काफी प्रसिद्ध है और हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक इसे देखने पहुंचते हैं। कुछ लोग भी इसी खूबसूरत झील का आनंद लेने के लिए वहां पहुंचे थे, लेकिन उनकी सुखद यात्रा उस समय एक डरावने अनुभव में बदल गई जब अचानक मच्छरों का एक विशाल और घना झुंड उनके सामने आ गया। वहां पर मौजूद लोगों के मुताबिक, कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका लाखों मच्छरों से भर गया। हवा में उड़ते लाखों मच्छरों ने ऐसा दृश्य पैदा कर दिया कि आसपास का वातावरण धुंधला दिखाई देने लगा और सामान्य दृश्यता लगभग खत्म हो गई। कई पर्यटक इस भयावह नजारे को देखकर बुरी तरह घबरा गए और अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत कारों में जाकर बैठ गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि कई लोग कार से बाहर निकलने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाए।

भारतीय ड्रोन के खौफ से पाकिस्तान ने तैनात किया तुर्की का ड्रोन किलर सिस्टम

इस्लामाबाद

भारतीय ड्रोन हमलों के बढ़ते खौफ के बीच पाकिस्तान ने तुर्की का उन्नत एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया है। इस तैनाती का मुख्य उद्देश्य अपने एयर-डिफेंस सिस्टम में प्रभावी हार्ड-किल एंटी-ड्रोन क्षमता जोड़ना है। पाकिस्तान के कदम के पीछे पिछले साल मई में हुई एक घटना को प्रमुख कारण बताया जा रहा है, जब भारतीय ड्रोन हमले में लाहौर में तैनात चीनी एचक्यू-9बी एयर डिफेंस सिस्टम का रडार नष्ट हो गया था।

उस संघर्ष के दौरान भारतीय ड्रोनों के सामने पाकिस्तान को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद अब वह तुर्की के अत्याधुनिक सिस्टम पर भरोसा दिखा रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 16 जून को तुर्की ने यह ड्रोन किलर सिस्टम पाकिस्तान को सौंप दिया है। पाकिस्तान को आशंका है कि भारत, जो अपनी ड्रोन क्षमताओं का तेजी से बढ़ रहा है, अगले किसी भी संघर्ष में ड्रोन हमलों को एक नए स्तर पर ले जा सकता है। भारत ने पिछले एक वर्ष में बड़ी संख्या में मिनी और माइक्रो अनमैन्ड एरियल सिस्टम (यूएवी) अपने बेड़े में शामिल किए हैं, और पाकिस्तान इन्हीं से बचाव की कोशिश में है। उसके चीनी एयर डिफेंस सिस्टम भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों को रोकने में असफल साबित हुए थे। तुर्की की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी एसेलसन द्वारा निर्मित शाहीन 40 एमएम काउंटर-यूएएस सिस्टम को विशेष रूप से छोटे और बेहद छोटे ड्रोनों या क्वाडकाप्टर्स को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया है। कंपनी का दावा है कि यह सिस्टम ड्रोनों को केवल जाम करने के बजाय, उन्हें गोली मारकर या विस्फोट करके हवा में ही पूरी तरह नष्ट करता है। यह एक रिमोट-नियंत्रित हथियार प्रणाली है जिसमें आधुनिक रडार और कैमरे लगे होते हैं, जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले छोटे ड्रोनों को भी आसानी से ट्रैक कर लेती हैं। यह 40एमएम ओटम गोला-बारूद का उपयोग करता है, जो प्रोग्रामेबल गोलियां होती हैं। ये ड्रोन के करीब पहुंचकर हवा में फटती हैं और छर्रों के रूप में फैलकर तेजी से दिशा बदलने वाले छोटे ड्रोनों के बचने की संभावना को खत्म कर देती हैं। पाकिस्तान और तुर्की के बीच रक्षा संबंध पारंपरिक खरीद-फरोख्त से आगे बढ़कर तकनीकी हस्तांतरण और औद्योगिक सहयोग तक मजबूत हुए हैं।

ट्रंप ने कहा मोदी मेरे पक्के दोस्त, भारत पर हमला हुआ तो देंगे साथ

जी-7 शिखर सम्मेलन में हुई वन टू वन चर्चा

एवियन

जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बुधवार शाम एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच पिछले 16 महीनों से चले आ रहे तनावों पर खुलकर चर्चा की गई। हालांकि इस बैठक में किसी बड़े नए समझौते की घोषणा नहीं हुई, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत के प्रति मजबूत समर्थन दोहराते हुए कहा कि अगर भारत पर कोई हमला होता है तो अमेरिका मदद के लिए पहुंचेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के संबंध रूसी तेल खरीद, भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क और पाकिस्तान के साथ अमेरिका के बेहतर होते संबंधों जैसे मुद्दों पर कुछ हद तक तनावग्रस्त रहे हैं।

बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, भारत पर कोई भी हमला करेगा तो हम मदद के लिए वहां पहुंचेंगे। उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगियों की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि ये सभी लोग भारत से प्यार करते हैं। जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि उनके कार्यकाल में भारत में कई कदमों को नापसंद किया गया है, तो ट्रंप ने जवाब दिया, वाशिंगटन में अभी भारत का बहुत अच्छा मित्र है। मुझे मालूम नहीं कि समस्या कहां हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तरफ इशारा करते हुए जोड़ा, जब तक यह व्यक्ति सत्ता में है, हम भारत पर कोई खतरा होने पर मदद करेंगे। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत और अमेरिका के बीच कोई औपचारिक रक्षा समझौता नहीं है जो एक देश पर हमला होने पर दूसरे को सैन्य मदद प्रदान करने के लिए बाध्य करे। ऐसे में ट्रंप के इस बयान को एक व्यक्तिगत या राजनीतिक आश्वासन माना जा सकता है, न कि किसी औपचारिक कानूनी संधि का हिस्सा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रपति ट्रंप को पश्चिम एशिया युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन साथ ही भारतीय नाविकों की सुरक्षा और इस युद्ध के कारण उन्हें हो रही समस्याओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से भारत सहित अन्य देशों को होने वाली समस्याओं पर भी प्रकाश डाला, यह कहते हुए कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और भारतीय नाविकों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मोदी ने जोर दिया कि ये नाविक अपनी सेवाओं से पूरी दुनिया की मदद कर रहे हैं।

हालांकि, भारतीय नाविकों से जुड़े सवालों पर ट्रंप ने कोई सीधा या स्पष्ट जवाब नहीं दिया। ट्रंप ने बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने मोदी को बेहद सख्त वार्ताकार बताते हुए कहा, वह देखने में बहुत सुंदर और अच्छे लगते हैं, बिल्कुल फरिश्ते जैसे। लेकिन असल में वह बेहद कठोर हैं। वह एक किलर हैं, जितने सख्त इंसान हो सकते हैं उनमें से एक। लेकिन उनकी शक्ल इतनी भली है कि वह आपको अचानक चौंका (सरप्राइज कर) देते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरुरी सामान को एक बार जरुर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक़्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 जून 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 05:02 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रात: 10:07 तक
योग : हर्षण दोपहर 02:53 तक
करण : बव प्रात: 05:56 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रात: 10:07 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज का दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान एवं भव्य जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा पुरुषोत्तम मास के समापन अवसर पर दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान एवं श्री रामदेवजी महाराज का भव्य जम्मा (जागरण) भाग्यनगर (हैदराबाद) में प्रथम बार अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर राजस्थान के नागौर जिले के अमरपुरा से पधारे पंडित श्री टिकमदासजी महाराज के सान्निध्य में श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा के मधुर भजनों का रसपान किया।

दूसरे दिन, 15 जून 2026 को दोपहर में पं. सूरज कुमारजी व्यास बाबरा वाला (हाल मुकाम श्री रोकड़िया हनुमान मंदिर, निजामाबाद वाले) के आचार्यत्व में श्री राम दरबार, श्री विजय शंकर महाराज, श्री वीर हनुमानजी महाराज तथा श्रृंग ऋषि एवं शांता माता का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत अभिषेक सम्पन्न कराया गया।

सांय 5:31 बजे से देव दीपावली (दीपोत्सव) का आयोजन किया गया, जिसमें दीपकों से संपूर्ण मंदिर परिसर को सजाकर भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया गया।

इसके पश्चात सांय 6:31 बजे महाआरती सम्पन्न हुई तथा प्रसादी वितरण प्रारम्भ हुआ, जो रात्रि 11:31 बजे तक निरंतर चलता रहा। सांय 7:11 बजे से प्रमुख भजन गायकों द्वारा अमृतमयी भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं, जिनका श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर आनंद लिया। रात्रि 8:31 बजे से विश्व विजय मित्र मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया। रात्रि 11:51 बजे सुंदरकांड के समापन पर आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर श्री रामचन्द्रजी मठ संगम मंदिर, लंगरहौज के महंत श्री राहुल दासजी महाराज भी पधारे, जिनका समाज की ओर से सम्मान किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में समाज के सभी स्वजातीय बंधुओं का भरपूर सहयोग रहा। दो दिवसीय अनुष्ठान के सफल संचालन में अध्यक्ष श्याम सुन्दर उपाध्याय, उपाध्यक्ष रामदेव नागला एवं रामदेव व्यास, महामंत्री मुरलीधर तिवारी, सह कोषाध्यक्ष रामनिवास ओझा, सह मंत्री लक्ष्मीनारायण व्यास, प्रचार मंत्री जुगल किशोर उपाध्याय, दामोदर तिवारी तथा समाज के युवाओं ने विशेष योगदान दिया।

महामंत्री मुरलीधर तिवारी ने आयोजन की सफलता का श्रेय समाज के सभी सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं को देते हुए आगामी कार्यक्रमों में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।

सिखवाल प्रगति समाज में 70 केवी सोलर सिस्टम का लोकार्पण, सालाना 10 लाख तक की बचत संभव

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिखवाल प्रगति समाज के ऋष्य श्रृंग भवन में गुरुवार, 18 जून को गुरुपुष्य नक्षत्र में 70 केवी सोलर सिस्टम के कार्य का शुभारंभ किया गया।

स्व. मदनलाल उपाध्याय जैतारण वालों की स्मृति में भामाशाह पेमावत उपाध्याय परिवार, नोलकी वाला द्वारा 15 लाख रुपये का योगदान दिया गया। शेष 15 लाख रुपये समाज के खाते से वहन किए गए।

इस सोलर सिस्टम से समाज को भविष्य में सालाना औसतन 8 से 10 लाख रुपये का लाभ होने की संभावना है।

कामारेड्डी में म्युनिसिपल कर्मचारियों का दो दिवसीय रिले फास्ट शुरू

कामारेड्डी, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिला मुख्यालय स्थित म्युनिसिपल कमिश्नर कार्यालय में म्युनिसिपल कर्मचारियों ने सीटू के बैनर तले दो दिवसीय रिले फास्ट शुरू किया। कर्मचारियों की प्रमुख मांगें: 26 हजार रुपये न्यूनतम स्थायी वेतन, रिटायरमेंट बेनिफिट, हेल्थ इंश्योरेंस, बीमारी से मृत और 60+ आयु के कर्मचारियों के परिजनों को नौकरी, और इंद्रम्मा हाउस आवंटन। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से तुरंत संज्ञान लेकर मांगें पूरी करने की अपील की। कार्यक्रम में सीटू प्रतिनिधि और म्युनिसिपल स्टाफ शामिल हुए।

निजी स्कूलों में महंगी किताब-यूनिफॉर्म बेचने पर छात्र संगठनों का विरोध

बांसवाड़ा, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स ब्लॉक के जिला अध्यक्ष बैरापुर रविंदर गौड़ और तेलंगाना स्टूडेंट्स फेडरेशन के जिला अध्यक्ष वटलम दत्तू व निखिल गौड़ ने एमईओ ऑफिस में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कई निजी स्कूल जी.ओ. नंबर 91 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन कर नोटबुक, टेक्स्टबुक और यूनिफॉर्म महंगे दामों पर बेच रहे हैं। छात्र नेताओं ने नियम तोड़ने वाले स्कूलों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की।

महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई

हैदराबच, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के पावन अवसर पर बेगम बाज़ार स्थित भूलक्ष्मी माँ मंदिर सर्कल पर एक भव्य जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाराणा प्रताप जागृति मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित पूर्व कॉर्पोरेटर श्रीमती परमेश्वरी सिंह ने महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए महाराणा प्रताप जी के अदम्य साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को याद किया और युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाते हुए माननीय मत्स्य महामंडल के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार ने भी इस गौरवमयी उत्सव में शिरकत की। उनके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभी नेताओं ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर वीर शिरोमणि के योगदान की सराहना की।आयोजक और महाराणा प्रताप जागृति मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत और आभार व्यक्त किया। मंदिर सर्कल पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे पूरा क्षेत्र वीर महाराणा प्रताप के जयकारों से गूंज उठा।

एससी कॉर्पोरेशन 2025-26 के लाभार्थियों की सूची का हुआ रिव्यू

बांसवाड़ा, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा नगर निगम कार्यालय में गुरुवार को एससी कॉर्पोरेशन 2025-26 के तहत आवेदन करने वाले लाभार्थियों की सूची की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में एससी कॉर्पोरेशन अधिकारी नरेश, पशु चिकित्सा अधिकारी महेश, संबंधित बैंक मैनेजर और नगर आयुक्त गोपू गंगाधर मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि पात्र लाभार्थियों की डिटेल्स उच्च अधिकारियों को भेजी जाएंगी, जिसके बाद अगला लोन स्वीकृत किया जाएगा। बैठक में आवेदक और अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए।

केबीआर पार्क पर सेवा भाव के साथ किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों को श्रद्धा और सेवा भाव के साथ भोजन वितरित किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च दान माना गया है। भूखे एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से निरंतर विभिन्न स्थानों पर अन्नदान, सेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश दे रहा है।

सदस्यों ने बताया कि ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग में सेवा और परोपकार की भावना को जागृत करना भी है। नियमित रूप से चल रहे इन कार्यक्रमों से अनेक जरूरतमंद लोगों को लाभ मिल रहा है तथा समाज के लोग भी सेवा कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। राधे-राधे ग्रुप की इस निस्वार्थ सेवा की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

बांसवाड़ा: वार्ड 2 के सरकारी स्कूल में छात्रों को निःशुल्क किताबें वितरित

बांसवाड़ा, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को वार्ड 2, कोटागली स्थित मंडल प्रजा परिषद प्राइमरी स्कूल में छात्रों को निःशुल्क टेक्स्टबुक और नोटबुक वितरित की गईं। स्थानीय पार्षद व कांग्रेस पार्टी के शहरी अल्पसंख्यक सचिव जंगम राजशेखर और म्युनिसिपल को-ऑप्शन सदस्य माजिद ने हेडमास्टर श्रीकांत के साथ मिलकर किताबें बांटीं।इस अवसर पर शिक्षक मंदा प्रवीण, अकबर, अनिल समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

निज़ामाबाद: शंकर भवन प्राइमरी स्कूल में छात्रों को मिलीं निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें

निज़ामाबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। साउथ मंडल के कोटागल्ली स्थित शंकर भवन प्राइमरी स्कूल में गुरुवार को कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को शिक्षा विभाग की ओर से निःशुल्क टेक्स्टबुक वितरित की गईं।

हेडमास्टर रामचंदर गायकवाड़ ने किताबें बांटीं।

बीजेआर कॉलेज में 'अन्ना-अक्का मेंटरशिप' प्रशिक्षण संपन्न, 1 जुलाई से स्कूलों में देंगे एआई की ट्रेनिंग

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । बीजेआर सरकारी डिग्री महाविद्यालय (स्वायत्त) में दो दिवसीय टीचिंग इंटर्नशिप ऑन एआई एंड डिजिटल लर्निंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्राचार्य प्रो. कैप्टन एम. विजय कुमार ने बताया कि राज्य सरकार की पहल पर कॉलेज छात्रों के माध्यम से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों में एआई के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। समापन समारोह में प्रो. विजय कुमार ने कहा कि 'अन्ना-अक्का मेंटरशिप' से स्कूली छात्रों को एआई की जानकारी मिलेगी, वहीं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों में नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास होगा। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. श्रीलता, एसोसिएट प्रोफेसर, स्टेनली इंजीनियरिंग कॉलेज ने एआई के महत्व पर व्याख्यान दिया और प्रायोगिक गतिविधियां कराईं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में एआई की जानकारी अनिवार्य है।

'अन्ना-अक्का मेंटरशिप' कार्यक्रम 1 जुलाई से एक माह तक चलेगा। इसमें चयनित विद्यार्थी प्रतिदिन डेढ़ घंटे सरकारी स्कूलों में प्रशिक्षण देंगे।

विधायक कांता राव ने इंदिराम्मा घरों के निर्माण की समीक्षा की

मदनूर, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) – जुक्कल विधायक थोथा लक्ष्मी कांथा राव ने बुधवार को विधायक कार्यालय में अतिरिक्त कलेक्टर निम्मा वी. गिरि व संबंधित अधिकारियों के साथ इंदिराम्मा घरों के निर्माण की प्रगति और लाभार्थियों की समस्याओं पर समीक्षा बैठक की। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लाभार्थियों के घर निर्माण की स्थिति का डेटा सही तरीके से अपडेट किया जाए और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।

जानें भगवान शिव को क्यूं नहीं चाढाए जाते ये 5 किस्म के चढावे

केतकी के फूल-एक बार ब्रहमाजी व विष्णुजी में विवाद छिड गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। ब्रहमाजी सृष्टि के रचयिता होने के कारण श्रेष्ठ होने का दावा कर रहे थे और भगवान विष्णु पूरी सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में स्वयं को श्रेष्ठ कह रहे थे।

तभी वहां एक विराट लिंग प्रकट हुआ। दोनों देवताओं ने सहमति से यह निश्चय किया गया कि जो इस लिंग के छोर का पहले पता लगाएगा उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। अत: दोनों विपरीत दिशा में शिवलिंग की छोर ढूढंने निकले। छोर न मिलने के कारण विष्णुजी लौट आए। ब्रहमा जी भी सफल नहीं हुए परंतु उन्होंने आकर विष्णुजी से कहा कि वे छोर तक पहुँच गए थे।

उन्होंने केतकी के फूल को इस बात का साक्षी बताया। ब्रहमा जी के असत्य कहने पर स्वयं शिव वहाँ प्रकट हुए और उन्होंने ब्रहमाजी की एक सिर काट दिया, और केतकी के फूल को श्राप दिया कि शिव जी की पूजा में कभी भी केतकी के फूलों का इस्तेमाल नहीं होगा।

तुलसी-शिव पुराण के अनुसार जालंधर नाम का असुर भगवान शिव के हाथों मारा गया था।

जालंधर को एक वरदान मिला हुआ था कि वह अपनी पत्नी की पवित्रता की वजह से उसे कोई भी अपराजित नहीं कर सकता है। लेकिन जालंधर को मरने के लिए भगवान विष्णु को जालंधर की पत्नी तुलसी की पवित्रता को भंग करना पडा। अपने पति की मौत से नाराज तुलसी ने भगवान शिव का बहिष्कार कर दिया था ।

नारियल पानी शिव जी की पूजा नारियल से होती है लेकिन नारियल पानी से नहीं। क्योंकि शिवलिंग पर चढाई जाने वाली सारी चीजें निर्मल होनी चाहिए यानि जिसका सेवन ना किया जाए। नारियल पानी देवताओं को चढाये जाने के बाद ग्रहण किया जाता है इसीलिए शिवलिंग पर नारियल पानी नहीं चढाया जाता है।

हल्दी-शिवलिंग पर हल्दी कभी नहीं चढाई जाती है क्योंकि यह महिलाओं की सुंदरता को बढाने के लिए इस्तेमाल होती है। और शिवलिंग भगवान शिव का प्रतीक है।

कुमकुम-सिंदूर या कुमकुम हिंदू महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र के लिए लगाती हैं। जैसा की हम जानते हैं कि भगवान शिव विध्वंसक के रूप में जाने जाते हैं इसलिए शिवलिंग पर कुमकुम नहीं चढाया जाता है।

क्यों महिलाएं पैर में पहनती है बिछिया, क्या इसके वैज्ञानिक तर्क भी है

भारत एक ऐसा देश है जहां पर विभिन्न धर्म है। इन धर्मों में कई तरह के रीति-रिवाज और परंपराए है। खासतौर में हिंदू धर्म में। हिंदू धर्म एक ऐसा धर्म है जिसमें आज हर शुभ काम हो या फिर कोई खास मौका सभी में रिवाज होता है। लेकिन आप जानते है कि इन सभी कामों से हमारे शरीर को कितना फायदा मिलता है। साथ ही इससे हमारे दिमाग में भी अधिक प्रभाव पडता है। हिंदू धर्म में एक चीज सबसे अलग है वो है किसी महिला का सोलह श्रृंगार।

जो पूरी दुनिया में भी फेमस है। इस सोलह श्रृंगार में माथे की बिंदी से लेकर पांव में पहनी जाने वाली बिछिया तक होता है। हर एक चीज का अपना एक महत्व है। परंपराओं की दृष्टि से तो इनके महत्व रोचक हैं। जानिए पांव में पहने जाने वाली बिछिया के पीछे क्या है कारण साथ ही वैज्ञानिक तर्क क्या है।

बिछिया जिसे हिंदू और मुस्लमान दोनों धर्म की महिलाएं पहनती है। कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन क्या आप जानते है कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। शायद ही आपको यह बात पता हो कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। प्राचीनकाल में स्त्रियों व लडकियों को पायल एक संकेत मात्र के लिए पहनाया जाता था।

जब घर के सदस्य के साथ बैठे होते थे तब यदि पायल पहने स्त्री की आवाज आती थी तो वह पहले से सतर्क हो जाते थे ताकि वह व्यवस्थित रूप से आने वाली उस महिला का स्वागत कर सकें पायल की वजह से ही सभी को यह एहसास हो जाता है कि कोई महिला उनके आसपास है अत: वे शालीन और सभ्य व्यवहार करें। ऐसी सारी बातों को ध्यान में रखते हुए लडकियों के पायल पहनने की परंपरा लागू की गई।

वहीँ, वास्तु के अनुसार, पायल व बिछिया की आवाज से घर में नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम हो जाता है इसके अलावा दैवीय शक्तियां अधिक सक्रिय हो जाती है यह भी इसका एक कारण हो सकता है। इसके अलावा पायल की धातु हमेश पैरों से रगडाती रहती है जो स्त्रियों की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। इससे उनके पैरों की हड्डी को मजबूती मिलती है। बिछिया को कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी यही है कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। बिछिया के दबाव से रक्तचाप नियमित और नियंत्रित रहती है और गर्भाशय तक सही मात्रा में पहुंचती रहती है। यह बिछिया अपने प्रभाव से धीरे-धीरे महिलाओं के तनाव को कम करती है, जिससे उनका मासिक-चक्र नियमित हो जाता है। साथ ही इसका एक और फायदा है। इसके अनुसार बिछिया महिलाओं के प्रजनन अंग को भी स्वस्थ रखने में भी मदद करती है। बिछिया महिलाओं के गर्भाधान में भी सहायक होती है।

शास्त्रों में कहा गया है कि दोनों पैरों में चांदी की बिछिया पहनने से महिलाओं को आने वाली मासिक चक्र नियमित हो जाती है। इससे महिलाओं को गर्भ धारण में आसानी होती है। चांदी विद्युत की अच्छी संवाहक मानी जाती है। धरती से प्राप्त होने वाली ध्रुवीय उर्जा को यह अपने अंदर खींच पूरे शरीर तक पहुंचाती है, जिससे महिलाएं तरोताजा महसूस करती हैं।

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं। इस बात का विस्तार से उल्लेख हिंदू धर्म ग्रंथो में मिलता है। देवी सरस्वती को कला की देवी मानी जाती हैं। उन्हें वाक् देवी भी कहा जाता है, वह इसलिए क्योंकि उन्होंने ज्ञान और शब्दों की रचना की है। देवी सरस्वती का वाहन हंस है।

वह कमल पर विराजती हैं। वीणा उनके हाथों में हमेशा मौजूद रहती है। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित एक पौराणिक कहानी के अनुसार वीणा का सृजन स्वयं भगवान शिव ने पार्वती देवी के रूप को समर्पित करते हुए किया था। अमूमन धार्मिक काव्य ग्रंथों में सौंदर्य के प्रसंग में वीणा का उल्लेख होता है। वैदिक साहित्य में वीणा का उल्लेख बारंबार संगीत के संदर्भ में होता है। मध्यकाल तक भी विभिन्न कलात्मक कृतियों में वीणा को शास्त्रीय संगीत से जोडा जाता रहा। उत्तर भारत में वीणा का स्थान प्राय: सितार ने लिया किंतु दक्षिण भारत में वीणा आज तक लोकप्रिय माना जा सकता है।

देवी सरस्वती की पूजा भारत ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया के देशों थाइलैण्ड, इण्डोनेशिया, जापान एवं अन्य देशों में भी होती है। जापान में 'बेंजाइटन', म्यांमार में 'थुयथदी' और 'तिपिटक मेदा', चीन में 'बियानचाइत्यान' और थाईलैण्ड में देवी सरस्वती को 'सुरसवदी' के नाम से भी जाना जाता है।

हर शुभ अवसर पर हम ज़्यूं करते हैं फूलों का प्रयोग।

हमारे देश में हम हर शुभ कार्यों में फूलों का इस्तेमाल करते हैं फिर चाहे वह कोई पूजा हो, घर को सजाना हो या शादी हो, हर शुभ अवसर पर फूलों का इस्तेमाल अच्छा माना जाता है। ईश्वर की भक्ति में हम फूलों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि इससे भगवान खुश होंगे और हमे आशीर्वाद देंगे। हर भगवान का अपना महत्व होता है, और उन पर चढाने वाले फूलों का भी। गेंदा, गुडहल और कमल के फूलों का हम पूजा में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, माना जाता है कि फूलों की महक और रंगों से भगवान खुश होतें हैं और हमे आशीर्वाद देतें हैं जिससे हमारे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

उत्तर दिशा में क्यों नहीं सोना चाहिए, जानें कारण

1.देवी पार्वती: यह कहा जाता है कि जब देवी पार्वती स्नान करने गयीं तो उन्होंने भगवान गणेश को द्वार पर खडे रह निगरानी करने को कहा और किसी को अंदर न आने देने का निर्देश दिया। जब शिव भगवान पार्वती जी से मिलने आये और भगवान गणेश से अंदर जाने देने को कहा।

2.गणेश और शिव की लडाई:पर गणेश आज्ञाकारी पुत्र थे और यह जानते हुए भी कि वह देवी पार्वती के पति हैं, उन्होंने शिव को अंदर जाने नहीं दिया।

3.शिव ने गणेश का सर काटा:जब पार्वती बाहर आयीं और दोनों को देखा,तो दोनों को बहस करते देख उन्हें झटका लगा। शिव ने अपना आपा खो दिया और अपने सेवकों को गणेश का सर कलम करने का निर्देश दिया।

4. आगबबूला हुई पार्वती:पार्वती आगबबूला हो गयीं और पूरी सृष्टि के विनाश करने का फैसला किया। ब्रहमा जी ने उन्हें शांत किया और बाद में पार्वती को खुश करने के लिए शिव जी ने निर्देश दिया कि ऐसे जानवर का सर लाओ जो उत्तर दिशा में मुंह कर सो रहा हो।

5. उत्तर दिशा:भगवान शिव के निर्देश के अनुसार, सेवक ऐसे जानवर को ढूंढने निकले जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहे थे।

6. हाथी का सर:भगवान शिव के सेवकों को एक हाथी दिखा जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहा था। उन्होंने उस हाथी का सर धार से अलग कर दिया और भगवान शिव को देने चले।

7. भगवान गणेश:भगवान शिव ने तब भगवान गणेश के धर पर हाथी का सर लगा कर उन्हें जीवन प्रदान किया।

और बाद में भगवान गणेश को सब पूजने लगे क्यूंकि भगवान शिव ने पार्वती जी को यह वचन दिया कि पुत्र गणेश की पूजा लोग पहले करेंगे।

8. सोने के लिए सबसे उत्तम दिशा: इसलिए, हिन्दू मान्यता के अनुसार सबसे उत्तम सोने की मुद्रा है बायीं ओर को होकर पूरब या पश्चिम दिशा में सोना। यह रक्त का प्रवाह बढाता है और आपके समस्त खैरियत का ध्यान रखता है।

बजरंगबली की माता अंजना को दुर्वासा ऋषि ने वानरी होने का शाप दिया था

भगवान श्रीराम के भक्त हनुमानजी उनके भाई की तरह हैं। इसके पीछे पौराणिक मत है। जिसका प्रमाण है गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'श्रीरामचरितमानस' में मिलता है। यह प्रमाण एक पौराणिक कथा के रूप में उल्लेखित है। लेकिन बजरंगबली के 5 सगे भाई भी थे। पांचों विवाहित थे, इस बात का विस्तार से उल्लेख 'ब्रहमांडपुराण' में मिलता है। जहां बजरंगबली के पिता केसरी के वंश का वर्णन है। पांचों भाईयों में बजरंगबली सबसे बडे थे। यानी हनुमानजी को शामिल करने पर वानर राज केसरी के 6 पुत्र थे।

जब कि उनके बाद क्रमश: मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान, धृतिमान थे। इन सभी की संतान भी थीं। जिससे इनका वंश वर्षों तक चला। हनुमानजी के बारे जानकारी वैसे तो रामायण, श्रीरामचरितमानस, महाभारत और भी कई हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलती है। लेकिन उनके बारे में कुछ ऐसी भी बातें हैं जो बहुत कम धर्म ग्रंथों में उपलब्ध है 'ब्रहमांडपुराण' उन्हीं में से एक है। इसी ग्रंथ में उल्लेख है कि बजरंगबली के पिता केसरी ने अंजना से विवाह किया था। केसरी वानर राज थे।

कौन थीं अंजना। हिंदू पौराणिक ग्रंथों में माता अंजना के बारे में लिखा है कि वह पहले पहले इन्द्र की सभा में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। जब दुर्वासा ऋषि भी इन्द्र की सभा में उपस्थित थे, तो वह बार-बार भीतर आ-जा रही थी। इससे रुष्ट होकर ऋषि ने उसे वानरी हो जाने का शाप दे डाला।

जब उसने बहुत अनुनय-विनय की, तो उसे इच्छानुसार रूप धारण करने का वर मिल गया। इसके बाद गिरज नामक वानर की पत्नी के गर्भ से इसका जन्म हुआ और अंजना नाम पडा। फिर वानर राज केसरी नाम के वानर से इनका विवाह हुआ और पुत्र के रूप में उन्होंने महाबलशाली और भगवान शिव के रुद्र रूप हनुमानजी को पुत्र रूप में पाया।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे

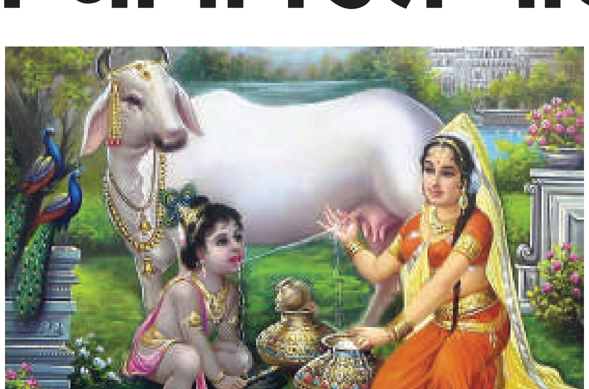

में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है। उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर।वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

क्या हनुमान जी के एक पुत्र था। आइये जानें

हनुमान जी और मछली वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण के अनुसार एक बार हनुमान जी नदी में स्नान कर रहे थे तब शरीर में पैदा हुई गर्मी के कारण उनका पसीना पानी में गिर गया। यह बहता हुआ एक मछली जैसे जीव के पास जाकर उसके शरीर में प्रवेश कर गया और इससे उसे एक पुत्र की प्राप्ति हुई। इसके बाद, रावण के भाइयों अहिरावण और महिरावण को यह बच्चा नदी के किनारे मिला जिसका आधा शरीर एक वानर का और आधा एक मछली का था। इस प्रकार मकरध्वज की उत्पत्ति हुई।

मकरध्वज-वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब अहिरावण राम और लक्ष्मण को लेकर पाताल में चला गया तो हनुमान जी उन्हें बचाने के लिए गए थे। लेकिन दरवाजे पर ही उन्हें आधे वानर और आधे मछली जैसे जीव ने चुनौती दी उसने अपना नाम मकरध्वज और वीर हनुमान का पुत्र बताया।

आश्चर्य में हनुमान जी एक वफादार रखवाले-हनुमान जी ने मकरध्वज को कहा के वे उन्हें भगवान राम और लक्ष्मण को बचाने के लिए आगे जाने दें लेकिन पिता होने के बावजूद भी उन्हें आगे नहीं जाने दिया। उसने कहा कि वह अपने मालिक अहिरावण को धोखा नहीं दे सकता। इसके बदले उसने जिस दरवाजे में राम और लक्ष्मण कैद थे उससे सम्बंधित पहेली पूछी और सही जवाब देने पर आगे जाने दिया।

मच्छानु-रामायण के कम्बोडिया और थाईलैंड संस्करण में बताया गया है कि हनुमान के पुत्र का नाम मच्छानु था जिसका जन्म हनुमान जी रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा के साथ मिलन से हुआ। इसी प्रकार के अन्य संकरणों में भी पसीने से ही इसकी उत्पत्ति बताई गई है लेकिन इनके अनुसार वह पसीना मछली को नहीं बल्कि एक जलपरी को लगा था। कई जगह तो यह भी बताया गया है कि लंका के लिए पुल का निर्माण करते समय हनुमान जी को सुवण्णमच्छा से प्यार हो गया था और उनके मिलन से मच्छानु का जन्म हुआ।

जब हनुमान जी अपने पुत्र से मिले-रामायण के थाई और कम्बोडियन संस्करणों के अनुसार रावण की सेना युद्ध करते समय हनुमान जी का सामना एक ऐसे योद्धा से हुआ जिसका आधा शरीर वानर का और आधा मछली का था। बहुत देर तक चले युद्ध के बाद जब हनुमान जी ने अपनी गदा से उस पर वार करना चाहा तो आकाश में एक सुनहरा सितारा चमका और आकाशवाणी हुई कि जिसे तुम मारने जा रहे हो वह तुम्हारा अपना पुत्र है जो कि रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा से तुम्हारे मिलन से पैदा हुआ है। हनुमान जी का गदा वहीं का वहीं रह रह और उन्होंने एक दूसरे को इस तरह पहचाना।

घर में लानी हैं खुशियां तो बेडरुममें ऐसे रखें शीशा

हमारे बेडरूम में शीशा रखना आम बात है, ज्यातादर घरों में ड्रेसिंग टेबल बेडरूम में रखे जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बेडरूम में शीशा रखना अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि अगर शीशे को ठीक तरीके से रखा जाए तो आपके घर और जिंदगी में भी सुख-समृद्धि आएगी। बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल ऐसी जगह रखें कि शीशे में आपके बेड की परछाई न दिखे। कहा जाता है कि शीशे में बेड का रिफलेक्शन दिखने से पति-पत्नी की लाइफमें किसी तीसरे की एंट्री हो सकती है। बाथरूम में शीशा लगाने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है। यहां आप बडे साइज का शीशा लग सकते हैं। सीढियों के साथ ही दीवार पर भी लंबा शीशा लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

पहला रियल वर्ल्ड गेम...

आज के दौर में वर्चुअल रियलिटी का क्रेज लोगो पर दिनों-दिन बढ़ता चला जा रहा है, नई जनरेशन हर एप्प को वर्चुअल रियलिटी में ही देखना चाहती है।

इसको देखते हुए एक नया गेम बनाया गया है जो रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देता है। लैंड्स एंड गेम के को-डिजाइनर केन वोंग का कहना है कि जो लोग वर्चुअल रियलिटी को नहीं मानते उनको यकीन दिलवाने के लिए इसे बनाया गया है। इस गेम में कोई फिजिकल कंट्रोल्स नहीं दिए गए और आपको लुक पॉइंट्स पर फोकस कर इसे खेलना होगा। इस गेम को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता क्योंकि गेम के मूविंग ऑब्जेक्ट और कनेक्ट पैटर्न्स आपको हैरत में डाल देगें और आप सोचने पर मजबूर हो जाएगे कि ऐसा हो कैसे रहा है।

क्या है खास

इस गेम की मोन्यूमेंट वैली में कोई टेक्स्ट और वॉइस नहीं दी गई जिससे आपको गेम खलते समय इंटरेक्शन करने से ही स्टोरी का पता चलता है। यह गेम 360-डिग्री लैंडस्केप पर खेली जाती है जिससे रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देखने को मिलता है। इस गेम में चट्टानों पर चलना, पहेलियां और हवा में उड़ना आदि शामिल है।

सब कुछ रियल

इस गेम की स्टोरी को इस तरीके से बनाया गया है कि सब कुछ रियल लाइफ एक्टिविटीज की तरह यूजर को देखने को मिलती है। इसे डेवेलप करने के बाद इसे पार्टीज और फ्रेंड्स को गेम एक्सपीरियंस करने के लिए भेज दिया गया है।

ज्यादा सेल्फी लेने से हो सकता है त्वचा को नुकसान

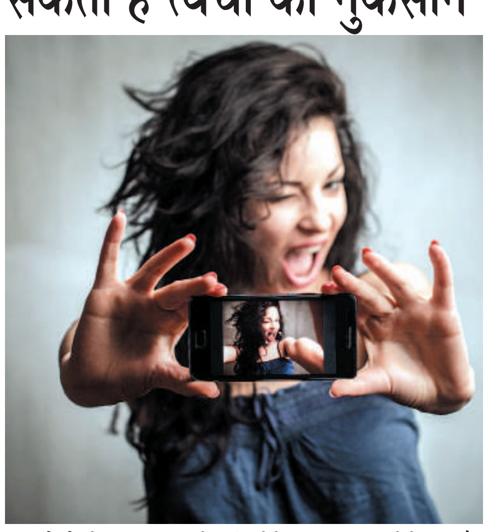

लोगों में आजकल सेल्फी लेने का चलन जोरों पर है। सेल्फी के लिए लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है। सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वालों के बारे में तो आपने बहुत सुना ही होगा लेकिन आज हम आपको सेल्फी से होने वाले ऐसे नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप सेल्फी लेने से घबराने लगेंगे। जीं हां दुनिया के कई मशहूर डर्मटोलॉजिस्ट ने इस बात की चेतावनी जारी की है कि ज्यादा सेल्फी लेना आपकी त्वचा को नुक्सान पहुंचा सकता है।

ज्यादा सेल्फी लेने के नुकसान

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का जोखिम त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी बढ़ सकती है। ज्यादा सेल्फी लेने से आपकी त्वचा की उम्र तेजी से बढ़ने लगती है और आप समय से पहले बूढ़े लगने लगते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार फ्लैश लाइट और स्क्रीन से चेहरे पर पड़ने वाली ब्लू लाइट त्वचा के लिए काफी नुकसानदायक है। इसी के साथ बताया कि ब्लॉगर्स और ज्यादा सेल्फी लेने वालों को अब जल्दी ही संभल जाना चाहिए।

त्वचा पर सेल्फी का असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियेशन आपकी त्वचा में मौजूद डीएनए पर बुरा असर डालता है। इस रेडियेशन के चलते शरीर की स्किन रिपेयरिंग की क्षमता पर भी काफी बुरा असर पड़ता है जिससे समय से पहले झुर्रियां दिखनी शुरू हो जाती हैं और माना जाता है कि किसी भी तरह की क्रीम या सनस्क्रीन इससे बचाव नहीं कर सकती। हालांकि एक अच्छा स्क्रब त्वचा के सेहत काफी अच्छी रख पाता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना हैं कि आप त्वचा को बाहर से हाइड्रेट नहीं कर सकते यानि उसकी पानी की जरूरत को बाहर से पूरा नहीं कर सकते। ये जरूरत अंदर से ही पूरी की जा सकती है।

जिसके ह्रदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर ह्रदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके ह्रदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर ह्रदय में मौजूद हो।

ह्रदय में प्रेम का अंकुर जरूरी...

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके ह्रदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर ह्रदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके ह्रदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर ह्रदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्ति मार्ग में प्रेम ही प्रधान है। जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे ह्रदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

धर्म क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का धर्म अलग है, जैसे राजा का धर्म है प्रजा का ध्यान रखना। सैनिक का धर्म है युद्ध लड़ना, व्यापारी का धर्म है व्यापार करना। जब हम धर्म की परिभाषा इस तरह से करते हैं तो सवाल उठता है कि क्या चोर का धर्म है चोरी करना? फिर तर्क दिया जा सकता है कि नहीं, जो नीति-नियम सम्मत आचरण है वही धर्म है। अर्थात नैतिकता का ध्यान रखा जाना जरूरी है, तो सिद्ध हुआ की नीति ही धर्म है? श्रेष्ठ आचरण ही धर्म है? यदि ऐसा है तो दांत साफ करना नैतिकता है, लेकिन दांत साफ करना हिंसा भी है, क्योंकि इससे हजारों किटाणुओं की मृत्यु हो जाती है। जो आपके लिए नैतिकता है वह हमारे लिए अनैतिकता हो सकती है। धर्म के लिए हजारों लोगों की हत्या भी कर दी जाए तो वह नीति है उसे आप धर्मयुद्ध कहते हैं। तब हम कैसे मान लें की नीति या नैतिकता ही धर्म है? या फिर आप नैतिकता के नाम पर जो-जो गलत है उसे अलग हटाइए। इस नजरिए से वैदिक ऋषियों का विचार सबसे ज्यादा उपयुक्त लगता है कि सृष्टि, धर्म और स्वयं के हित और विकास में किए जाने वाले सभी कर्म धर्म हैं।

धर्म का मर्म

रहस्य यह है कि सभी आध्यामत्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान प्राप्त करने और नैतिक रूप से जीने के मार्ग बताए थे। वेद, पुराणों, सभी धर्म ग्रंथों के अनुसार असल में धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। लेकिन समाज के ठेकेदारों ने धर्म के अर्थ को अधर्म का अर्थ बनाकर रख दिया है। आप लाख कितना ही किसी को भी समझाओं की दुनिया के सारे संप्रदाय एक ही तरह की शिक्षा देते हैं। उनका का इतिहास भी सम्मलित है, लेकिन फिर भी वे दूसरे के संप्रदाय से नफरत ही रखेंगे। इसका सीधा सा कारण है प्रत्येक अधार्मिक व्यवस्थाओं को धर्म मान लिया गया है। धर्म को परिभाषित करना उतना ही कठिन है जितना ईश्वर को। हिन्दू धर्म में धर्म को एक जीवन को धारण करने, समझने और परिष्कृत करने की विधि बताया गया है। धर्म ग्रंथो, पुराणो में व्याप्त कथाओं का अनुसरण कर ही हम अपने धर्म को भलीभांति जान सकते हैं। बहु-प्रचलित कथाओं के अनुसरण के आधार पर देखते हैं कि वह कथा हमें क्या शिक्षा देती है।

मुक्ति का मार्ग

धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। देव, दानव, मनुष्य, पशु, पक्षी, इस सृष्टि में व्याप्त प्राणी मात्र में प्रेम का भाव ईश्वरीय देन है। इस आधार पर प्रेम ही सत्य है, प्रेम ही शाश्वत है। सच्चे प्रेम में एक दूजे से सत्य बोलना और सच्चाई और ईमानदारी से अपने साथी का साथ निभाने का गुण होता है। यही उनके प्रेम की सत्यता को प्रमाणित करने का प्रथम आधार होता है। प्रेम तो बस प्रेम मांगता जिससे भी हम प्रेम करते है उसकी खुशी, उसका साथ चाहता है। प्रेम मे तो वह दिव्य शक्ति है, जो हिंसक को भी अहिंसक बना दे। प्रेम हिंसा का नहीं, अपितु अहिंसा का मार्ग है। प्रेम निश्चित रूप से सिर्फ और सिर्फ आपस में एक दूजे से प्रेम करने वाले, जीवन भर के लिए एक दूजे का साथ पाने की सुखद अनुभूतियों व सपनों को जीने की इच्छा रखने वाले दो प्रेमियों के जीवन को प्रभावित करता है। विरह की वेदना प्रेमियो को तोड़कर रख देती है। वही अपने प्रेम को पाने की खुशी उसे ऊर्जा व विश्वास से भर देती है। अपने प्रेम को पाना, अपने प्रेमी का साथ पाना किसी भी तरह से किसी के साथ अन्याय नहीं है। हम जिससे प्रेम करते है उसका साथ पाने के लिये किया गया हर कर्म अपने साथी के साथ न्याय है। इस आधार पर प्रेम न्याय है। अर्थात निश्चित रूप से दो प्रेम करने वालो को अलग करना अन्याय है।

प्रेम तो प्रेम है

प्रेम तो प्रेम ही है। बिना किसी दुर्भावना के निश्छलता के साथ अपने साथी की खुशी व साथ निभाने के लिये किया गया प्रेम ही वास्तविक प्रेम है। धर्म ग्रंथो में प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने की बात कही गई है। निश्चित रूप से आपका प्रेम भी इस सृष्टि का ही हिस्सा है। कुछ लोग कहेंगे कि यह तो ईश्वर के प्रति प्रेम के बारे में होगा। प्रेम तो प्रेम ही होता है। प्रेम तो ह्रदय से उत्पन्न भाव है। ह्रदय के भाव तो किसी के भी प्रति हो सकता है। ईश्वरीय प्रेम और मानवीय प्रेम में भेद नहीं किया जा सकता है। फिर प्राणीमात्र के प्रति समानता का भाव रखना भी तो धर्म ही है। सबसे महत्वपूर्ण तो बात यह है कि धर्मग्रंथों में व्याप्त कथाओं में कही भी केवल ईश्वर के प्रति प्रेम की बात नहीं कही गई। कथाओं में सती का शिव के प्रति हो या पार्वती का शिव के प्रति या फिर राधा का कृष्ण के प्रति या रुक्मिणी का गोविन्द के प्रति हर जगह प्रेम एक प्रेमिका का उसके प्रेमी के प्रति ही दर्शाया गया न कि भगवान के रूप में या भगवान के प्रति दर्शाया गया।

प्रेम सर्वोपरि

धर्म का व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाला पहलु प्राणिमात्र को अपनी स्वेच्छा से जीवन जीने व अपना जीवनसाथी चुनने व प्रेम करने का अधिकार देता है। सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ प्रेम पूर्वक अपनों - परायों में भेद भाव न कर समानता से न्याय की बात करना। प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए। ईमानदारी के साथ हंसी खुशी अंतिम सांस तक जिंदादिली के साथ जीवन जीने पर ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

धर्म ग्रंथो में प्रेम का स्थान सर्वोपरि बताये जाने को जितना जाना, समझा गया है उस आधार पर तो यही कारण नजर आता है। धर्म के हर पहलु को लिए हुए होने के कारण ही शिव-शक्ति, राधा-कृष्ण, श्याम-रुक्मणि, अनेक महापुरुषों और ऋषि मुनियों ने प्रेम का गुणगान किया ।

संत कबीर का दोहा भी प्रेम की इसी विशालता व सर्वोपरिता को दर्शाता है ।

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,

ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

यानी बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती...

वृंदावन में एक स्थान ऐसा है, जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती। इस प्रसंग ने लोक मानस में यह बैठाया कि ज्ञानार्जन से अधिक ज्ञानानुभव महत्वपूर्ण होता है। बुद्धि से ज्यादा भावनाएं प्रमुख होती हैं। मस्तिष्क से अधिक दिल की बात सुननी चाहिए। इस स्थान को ज्ञान गूदड़ी कहते हैं। लोक में यह प्रसंग उद्धव-गोपी संवाद के रूप में जाना जाता है। भक्तिकालीन कवियों ने इस प्रसंग से यह स्थापित किया कि भगवान को पाने का सबसे सहज और सरल मार्ग भक्ति का है। शास्त्रों-पुराणों में यह प्रसंग नाम मात्र है। महाकवि सूरदास ने इस प्रसंग को विस्तार दिया। बात उस समय की है जब- कृष्ण गुरु संदीपन के यहां ज्ञानार्जन के लिए गये थे तब उन्हें ब्रज की याद सताती थी। वहां उनका एक ही मित्र था उद्धव, वह सदैव ज्ञान-नीति की, निर्गुण ब्रह्म और योग की बातें करता था। श्रीकृष्ण का उद्धव से परिचय मथुरा में हुआ। उद्धव हर संदर्भ में नीतियों का सहारा लेते। परिणामस्वरूप उनसे बात करने वाला निरुत्तर रह जाता। उनके गहन अध्ययन और विद से प्रभावित लोग उन्हें देवताओं के गुरु बृहस्पति का शिष्य मानते। पहले परिचय में ही उद्धव ने अपनी ज्ञानपूर्ण बातों से श्रीकृष्ण को प्रभावित किया। श्रीकृष्ण को यह अनुभूति थी कि उद्धव को ज्ञान का गर्व है। शंका निवारण के लिए श्रीकृष्ण ने युक्ति निकाली। एक दिन उन्होंने उद्धव से बात करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ज्ञान का मार्ग सर्वोत्तम है। ज्ञान से व्यक्ति के मोहपाश खुल जाते हैं। माया के बंधनों से उसे मुक्ति मिल जाती है। इस तरह मोह-माया उसे दु:ख नहीं पहुंचाते। उद्धव को अपनी बात गंभीरता से सुनते देख गंभीर लंबी सांस लेकर श्रीकृष्ण ने कहा- उद्धव जी, क्या यह संभव है कि आप ब्रज जाकर गोपियों को समझाएं। उन्हें बताएं कि दुनिया का सार ज्ञान है, प्रेम नहीं। ज्ञान से प्राप्ति होती है, भावनाओं से नहीं। ज्ञान से शांति मिलती है, जबकि प्रेम अशांत करता है। ज्ञान दुखों से ऊपर उठाता है और प्रेम दुखों में डुबोता है। ज्ञान समस्याओं का अंत है और प्रेम दुखों का आरंभ। श्रीकृष्ण की बात सुनकर उद्धव के भीतर ज्ञानजन्य गर्व हिलोरें लेने लगा। उन्होंने ब्रज जाकर गोपियों को समझाने की बात मान ली। उन्होंने श्रीकृष्ण को आश्वासन दिया कि वे गोपियों को समझाकर कुछ दिन में ही लौट आएंगे। श्रीकृष्ण का संदेश लेकर उद्धव वृंदावन पहुंचे। उद्धव के आगमन का समाचार पूरे ब्रज में फैल गया। नंद बाबा के घर कुछ समय बिताने के बाद उद्धव गोपियों से मिलने पहुंचे। उद्धव ने देखा गोपियां बेहाल हैं। उद्धव को यह सब विचित्र लगा। गोपियों की दशा पर वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। ज्ञान गर्व पीड़ित हो उन्होंने आंखें मूंद लीं। आगे बढ़ने पर उन्हें सखियां से घिरी राधा दिखीं। अपूर्व सौंदर्य, सौंदर्य से अभिभूत उद्धव ने अपने को कृष्ण सखा बताकर राधा को प्रणाम किया। उद्धव ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं आपके लिए उनका संदेश लाया हूं। वह सोच रहे थे कि श्रीकृष्ण का संदेश सुनते ही गोपियां, मां यशोदा और नंदबाबा की तरह आनंद से भर उठेंगी। लेकिन राधा तो लगता है मद में हैं। उन्हें किसी की चिंता ही नहीं। उद्धव के अभिमान ने करवट ली। उनके मन ने कहा-अपने ज्ञान से वे कितने मूर्खों का जीवन बदल चुके हैं। फिर ये गोपियां क्या हैं? आखिर हैं तो स्त्रियां ही। प्रेम ने इनका मस्तिष्क दूषित कर दिया है। इनसे हार मानकर लौटना उचित नहीं। उद्धव ने एक बार फिर बात शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आपको श्रीकृष्ण के पास मथुरा कोई संदेश भेजना हो तो बताइए। इस पर राधा बोल पड़ीं- उद्धव जी हमारे ह्रदय प्रेम से भरे हैं। इसलिए हमें किसी संदेश या संदेशवाहक की आवश्यकता नहीं। प्रेम संदेश तो ह्रदय सुन लेता है। हम तो नित्य अपने मनमोहन को अपना संदेश सुनाती और उनका सुनती हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियां इस तरह डूबी हैं कि इन्हें संसार का ज्ञान ही नहीं रह गया। सांसारिक आचरण से यह ऊपर हो गई हैं। गोपियों के प्रेम के प्रति उद्धव के मन में आदरभाव पनप उठा। ज्ञान से बंजर हुए मस्तिष्क में प्रेम का अंकुर फूट पड़ा। ज्ञान की गूदड़ी में उन्हें प्रेम का हीरा मिल गया। उद्धव शांत हो गए। उन्हें लगा कि उन्होंने ज्ञानार्जन तो बहुत किया, लेकिन ज्ञानानुभव आज ही हुआ। उनका मन श्रद्धा से भर उठा। मस्तक वृंदावन की प्रेम भूमि पर नत हो गया।

नैतिकता से दूर दानव की राह...

नैतिक शिक्षा ही मानव को 'मानव' बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है। सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। प्रसंग बताता है कि 'इन्द्र ने ब्राह्मण का रूप धारण करके प्रह्लाद के पास जाकर पूछा- ''आपको तीन लोकों का राज्य कैसे मिला ?'' प्रह्लाद ने इसका कारण नैतिकता यानी शील को बताया। इन्द्र ने प्रह्लाद से वरदान में नैतिकता यानी शील को मांग लिया। शील के जाते ही धर्म, सत्य, सदाचार, बल, लक्ष्मी सभी चले गये।''भारत की नैतिकता इतनी ऊंची थी कि सारा संसार अपने चरित्र के अनुसार शिक्षा प्राप्त करे। ऐसी घोषणा यहां की जाती थी। नैतिकता के अंग हैं -सच बोलना, चोरी न करना, अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। परन्तु आज ये शिक्षा ना तो बालक के माता-पिता, जिन्हें बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है, ना ही विद्यालय दे पा रहा है। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता का बोल-बाला है। आज का छात्र कहां जानता है, बड़ों का आदर-सत्कार, छोटों से शिष्टता-प्यार, स्त्री जाति की सुरक्षा-सम्मान सत्कार। रही-सही कसर पूरी कर देता है हमारा फिल्मजगत और टेलिविजन प्रसारण। जो अश्लीलता की हर हदें पार कर चुका है और उसका मूल्य चुकाना पड़ता है समाज को, क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है अनुकरण करना। वह अनुकरण से ही सीखता है।

सही सोच जरूरी

समाज में एक ज्वाला जली है हवस की। चारों तरफ, जहां पढ़ो, सुनो व देखने को मिलता है देश में महिलाओं के खिलाफ असामाजिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरी ओर यदि हम देखें तो साहित्य व सिनेमा जगत समाज का दर्पण होते हैं। जहां एक ओर वे गलत दिखाकर समाज को गलत राह पर ले जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सही सोच, सही प्रदर्शन दिशा भ्रमित होने से बचा सकता है। इतिहास बताता है कि 'राजा जयसिंह अपनी नव विवाहिता के प्रेम प्यार में आबद्ध होकर राजकाज भूल गये थे। बिहारी कवि की एक श्रृंगारिक अन्योक्ति ने राजा को सचेत कर कर कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर दिया- नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहिकाल। अलि कली ही सों बिंध्यौ, आगे कौन हवाल ।। इस दोहे ने राजा जयसिंह की आंखें खोल दी थी। यहां पूरे ही समाज का दायित्व हो जाता है कि हम अपने नैतिक मूल्यों का पुर्नस्थापन करें।

मार्ग को भूल गए

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भारत ही वह देश है जो जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ अब तक पर्वत से भी अधिक दृढ़ भाव से खड़ा है। अफसोस! आज हम अपने पूर्वजों के दिखाए, बताये मार्ग को भूल गए हैं। पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति को अपनाते-अपनाते, ना तो हम खुद को ही पहचान पा रहे हैं, ना ही पाश्चात्य को। कुछ हम आजादी मिलने का अर्थ कुछ और ही ले रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर वहां की महिलाओं की स्थिति है। नारी राष्ट्रीय व सामाजिक जीवनामृत का केन्द्र है। जो राष्ट्र समाज में स्त्रियों का आदर नहीं करना चाहते व कभी महान बन ही नहीं पाएंगे। देश के वर्तमान पतन का मुख्य कारण यही है कि हमने शक्ति की इन सजीव प्रतिमाओं के प्रति आदरभाव नहीं रखा। स्त्रियों के प्रति घृणित दृष्टि निन्दनीय है। माँ के रूप में, बहन-बेटी के रूप में महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा, स्नेह व दुलार देना समाज का कर्तव्य है। नैतिकता और सदाचार ही राष्ट्रीय जीवन का आधार है।

सही मार्गदर्शन मिलें

आज समाज में इन्हीं नैतिक मूल्यों की स्थापना की सबसे अधिक जरूरत है। प्रत्येक बच्चे को सही मार्गदर्शन मिले, यह उचित शिक्षा ही कर सकती है। नैतिकता का पाठ पढ़ाया नहीं जा सकता, वरन् उसे चरित्र में उतारना है। गीता को कंठ से गाना ही नहीं होता वरन् उसका अक्स अपने ह्रदय में बसाना होगा तभी यह देश स्त्रियों, मासूम बच्चियों का आदर, सुरक्षा का दर्जा दे पायेगा। वरना मानव दानव का रूप धर चुका है तथा उसका रुकना कठिन ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें: ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की: ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

संपादकीय

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में चोर-डकैत भी हैं। यह सुनकर और निरंतर खबरों को खंगाल कर यह सच सामने आ रहा है कि भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये चोर-डकैत राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम ने अपनी अंतरिम रपट देनी है और इस माह के अंत तक अंतिम रपट भी आ जानी चाहिए, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सवालिया, आरोपित महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं।

भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये चोर-डकैत राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम ने अपनी अंतरिम रपट देनी है और इस माह के अंत तक अंतिम रपट भी आ जानी चाहिए, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सवालिया, आरोपित महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बन कर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी।

मंदिर में वीआईपी बन कर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी। राम मंदिर में निर्माण समिति के अध्यक्ष के तौर पर नृपेन्द्र मिश्रा भी हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव होते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश और आशीर्वाद की बात कही है। क्या जांच दल को इनकी दरकार है? कुछ आरोपितों के घरों से लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई है। गोबर के ढेर के नीचे भी नकदी छिपा कर रखी गई थी, लेकिन दान-चोरी तो करोड़ों में बताई जा रही है! प्रभु राम हमारे आराध्य हैं, मन-मन में बसे हैं, सदियों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का सपना साकार हुआ है, तो प्रभु के सानिध्य में ऐसे चोर-डकैत कैसे और कब पैदा हो गए? यह सुरक्षा-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित तो कर दी, लेकिन इतने व्यापक अपराध के लिए प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? प्राथमिकी नहीं है, तो जांच टीम किस अपराध, किस चोरी अथवा आरोपों की जांच कर रही है? यह चोरी 'आर्थिक भीतरघात' भी है, क्योंकि आरोपित वे बताए जा रहे हैं, जो दान के नोटों की गिनती की रोजाना की प्रक्रिया और ऑडिट से जुड़े रहे हैं। नोटों की गिनती भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, सीसीटीवी की निगरानी में, करते रहे हैं। क्या मंदिर के भीतर ही एक 'संगठित गिरोह' ने आकार ले लिया है? कोई अकेला-दुकेला इतनी बड़ी चोरी-डकैती नहीं कर सकता। बेशक यह चोरी-डकैती 'महापाप' है और चोर असहनीय दैहिक और आत्मिक कष्टों को झेलेंगे। कीड़े पड़ेंगे उनमें! बहरहाल 2024-25 में राम मंदिर में कुल 327 करोड़ रुपए का दान या चढ़ावा आया। उसमें से दानपेटियों में ही करीब 153 करोड़ रुपए का दान आस्थावानों ने दिया। औसतन 12.75 करोड़ रुपए दान प्रति माह आया। अर्थात करीब 42 लाख रुपए रोजाना...! यह कोई सामान्य राशि नहीं है। चूंकि जनवरी, 2024 में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। अत्यंत भव्य कार्यक्रम था। कई आंखें डबडबा रही थीं। इस पुण्य अवसर पर देश के प्रधानमंत्री और असंख्य साधु-संत उपस्थित थे। किसी ने ऐसी चोरी-डकैती की कल्पना तक नहीं की थी। यदि इन अढाई सालों में ही 200 करोड़ रुपए की चोरी-डकैती मान लें, तो उस हिसाब से करीब 27 लाख रुपए की हररोज चोरी की गई। राम मंदिर में ऐसा सुरक्षा-तंत्र है, सीसीटीवी की 24 घंटे निगरानी है, नकदी की गिनती, उसे बैंक तक ले जाने और अन्य मूल्यांकन की परतें कई हैं, लिहाजा ऐसी चोरी संभव नहीं लगती, लेकिन पुराने कारसेवक संतोष दुबे और एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन में शिकायतें दर्ज कराई हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चढ़ावा-चोरी के आरोप लगाए हैं। एक हिंदूवादी नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिख कर हस्तक्षेप करने की मांग की है। यकीनन यह बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है, 2027 के विधानसभा चुनाव का बुनियादी मुद्दा भी बन सकता है।

कुछ अलग

क्रांति से कायाकल्प

चंद महापुरुषों से मुलाकात हुई है, जो मिलते ही हमसे चरण वंदना की उम्मीद करने लगते हैं। नहीं कर पाते, तो हमें तुरंत अपने गुट से बाहर फेंक देते हैं। हमारे खिलाफ एकतरफा जंग का ऐलान कर देते हैं, लेकिन अब जो पहले ही आपके अखाड़े में पराजित बैठा हो, उसे जंग लडने के लिए कैसे उकसाओगे? जिंदगी के कामयाबी से जीने के आपके कुछ असूल हैं, जो उम्र भर उन पर चल ही नहीं पाया, उसके खिलाफ आपने अपना फौज फांटा खड़ा भी कर लिया, तो क्या किया। जो आपके अखाड़े में उतरा ही नहीं, उसे आपके अखाड़े का भगौड़ा घोषित कर दिया, यह क्या किया? वह मूर्ख था। उसने जो किताबों में पढ़ा था, उसे ही अपनी जिंदगी में ढालने का प्रयास करता रहा, इसलिए कभी न उधर का हो सका, न इधर का। कामयाबी ने उसके कभी पग तो क्या माथा भी नहीं चूमा, और असफलता तो उसका परिचय बनी। उसके साथ कोई अतिवादी मानक डिग्रियां कैसे जोड़ देता? हमने छक्कन से पूछा कि 'आप किस की बात कह रहे हैं, भाई साहब। कहीं हमारी और हमारे लिखने की बात तो नहीं कर रहे, जिसे कभी किसी ने पढ़ा तो है न, और लेखक मानने से हमेशा इन्कार कर दिया।' इसके बावजूद आप मरते दम तक लिखने से बाज नहीं आए। वह अवश्य आश्वस्त हो गए होंगे, कि इस जन्मजात जुनूनी का शुरू से कोई पेंच ढीला था, देख तो मरते दम तक ढीला ही रहा। उन्होंने कह दिया होगा। अपने बारे में ऐसा सुनना कुछ अजीब नहीं लगता। हम शुरू से ही असाधारण नहीं थे, जिस काम में हाथ डालते अपनी अति-साधारणता से उसका गुड़ गोबर कर देते। अब लगता है हम अपनी जिंदगी का किस्सा बयान नहीं कर रहे।

विश्व सिकल सेल दिवस (19 जून) पर विशेष

समय से पहले बच्चों की मौतों का कारण बन रहा सिकल सेल रोग

संयुक्त राष्ट्र ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा और दुनिया की मुख्य आनुवंशिक बीमारियों में से एक माना था। यह दिवस सरकारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और नीति निर्माताओं को एससीडी अनुसंधान, उपचार तथा सहायता सेवाओं के लिए संसाधनों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लोगों को इस बीमारी, इसके लक्षणों, इसकी जटिलताओं, आनुवंशिक परामर्श और परीक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से ही यह दिवस हर साल एक खास विषय के साथ मनाया जाता है। सिकल सेल रोग संगठनों के वैश्विक गठबंधन द्वारा 'विश्व सिकल सेल दिवस 2026' के लिए 'जीवन प्रत्याशा में अंतर को कम करना : सिकल सेल रोग में समानता' विषय निर्धारित किया गया है।

प्रतिवर्ष 19 जून को विश्वभर में सिकल सेल रोग (एससीडी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व सिकल सेल दिवस' मनाया जाता है। एससीडी और इससे पीड़ित रोगी या उसके परिवार द्वारा सामना किए जाने वाले संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 2008 से ही यह दिवस मनाया जा रहा है। एससीडी को सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में मान्यता देने के लिए संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा इस दिन को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा और दुनिया की मुख्य आनुवंशिक बीमारियों में से एक माना था। यह दिवस सरकारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और नीति निर्माताओं को एससीडी अनुसंधान, उपचार तथा सहायता सेवाओं के लिए संसाधनों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लोगों को इस बीमारी, इसके लक्षणों, इसकी जटिलताओं, आनुवंशिक परामर्श और परीक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से ही यह दिवस हर साल एक खास विषय के साथ मनाया जाता है। सिकल सेल रोग संगठनों के वैश्विक गठबंधन द्वारा 'विश्व सिकल सेल दिवस 2026' के लिए 'जीवन प्रत्याशा में अंतर को कम करनाः सिकल सेल रोग में समानता' विषय निर्धारित किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग तीन लाख बच्चे हीमोग्लोबिन बीमारी के गंभीर रूपों के साथ पैदा होते हैं, जिसमें थैलेसीमिया और सिकल सेल बीमारी शामिल हैं। सिकल सेल बीमारी आमतौर पर माता-पिता से बच्चों में वंशानुगत मिलती है। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि दुनिया की करीब पांच प्रतिशत आबादी ऐसी है, जो सिकल सेल बीमारी की स्वस्थ वाहक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक वंशानुगत रक्त विकार एससीडी काफी हद तक उपेक्षित एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बना हुआ है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रहा है, जिनमें विशेष रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, कैरेबियन द्वीप, मध्य अमेरिका, सऊदी अरब, भारत, तुर्की, ग्रीस और इटली के लोग शामिल हैं। हालांकि अफ्रीका में प्रभावित व्यक्तियों का अनुपात बहुत अधिक है। सिकल सेल रोग दुर्बल करने वाला एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है। एससीडी हीमोग्लोबिन की एक वंशानुगत आनुवंशिक असामान्यता है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला ऑक्सीजन ले जाने वाला प्रोटीन होता है। इस रोग में लाल रक्त कोशिकाएं (आरबीसी) अर्धचंद्र अथवा सिकल (हंसिया अथवा दरांती) का आकार ले लेती हैं तथा ये अनियमित आकार की कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं में अवरोध पैदा कर सकती हैं, जिससे विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं। स्वस्थ लाल रक्त

कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं के माध्यम से आसानी से आगे बढ़ते हुए पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाती हैं लेकिन एससीडी से प्रभावित व्यक्तियों में दोषपूर्ण जीन लाल रक्त कोशिकाओं को कठोर, चिपचिपी और अर्धचंद्राकार सिकल के आकार का बना देता है। ये सिकल कोशिकाएं छोटी रक्त वाहिकाओं में फंस जाती हैं, जिससे रुकावटें पैदा होती हैं, जो रक्त के प्रवाह को धीमा या अवरुद्ध कर देती हैं और शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचने में कमी का प्रमुख कारण बनती हैं। इसके कारण असहनीय दर्द, अंग क्षति और कई स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं। लाल रक्त कोशिकाओं में आमतौर पर हीमोग्लोबिन होता है लेकिन जिन लोगों को सिकल सेल बीमारी होती है, उनकी लाल रक्त कोशिकाओं में ज्यादातर हीमोग्लोबिन एस होता है, जो हीमोग्लोबिन का एक असामान्य प्रकार है। इसी के कारण लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है और वे सिकल आकार की बन जाती हैं। सिकल के आकार की ये लाल रक्त कोशिकाएं प्रायः एक साथ चिपक सकती हैं और रक्त प्रवाह तथा ऑक्सीजन को शरीर के सभी हिस्सों तक पहुंचने से रोकती हैं। आमतौर पर लाल रक्त कोशिकाएं गोल और लचीली होती हैं, इसलिए वे रक्त वाहिकाओं के माध्यम से आसानी से चलती हैं लेकिन असामान्य रक्त कोशिकाएं सामान्य रक्त कोशिकाओं की तुलना में अधिक समय तक जीवित नहीं रहती हैं। स्वस्थ आरबीसी का जीवनकाल करीब 120 दिन होता है लेकिन सिकल के आकार की आरबीसी 10 से 20 दिनों के भीतर ही मर जाती हैं, जिससे शरीर में आरबीसी की कमी हो जाती है और इस रक्त विकार वाले लोगों में सिकल सेल एनीमिया या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं विकसित हो सकती हैं, जो प्रभावित जीन के प्रकार पर निर्भर करती हैं। सिकल सेल रोग का सबसे आम प्रकार सिकल सेल एनीमिया है। इस बीमारी से पीड़ित लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है, जिससे उनमें संक्रमण की आशंका ज्यादा होती है। यह बीमारी समय के साथ विभिन्न अंगों को क्षति पहुंचा सकती है, जिसमें प्लीहा, यकृत, गुर्दे और फेफड़े शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप अंग विफलता जैसी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। सिकल सेल बीमारी चार प्रकार की होती है, सिकल सेल एनीमिया, सिकल हीमोग्लोबिन-सी डिजीज, सिकल बीटा-प्लस थैलेसीमिया और सिकल बीटा-जीरो थैलेसीमिया। अभी तक एससीडी वाले अधिकांश लोगों के लिए कोई निश्चित इलाज नहीं है लेकिन कुछ उपचार दर्द से राहत दे सकते हैं और बीमारी से जुड़ी जटिलताओं से बचने में मदद कर सकते हैं। आमतौर पर सिकल सेल के लक्षण बच्चे के जन्म के 5 या 6 महीने बाद से ही दिखने शुरू हो जाते हैं। एससीडी के संकेत और लक्षण व्यक्ति से व्यक्ति में भिन्न होते हैं और समय के साथ बदल सकते हैं। इसके लक्षणों में एनीमिया, दर्द, हाथ-पैरों में सूजन, बार-बार बैक्टीरियल संक्रमण, शारीरिक विकास या यौवन में देरी, हड्डियों को नुकसान, दृष्टि संबंधी समस्याएं इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस बीमारी का समय रहते इलाज कराया जाना बेहद जरूरी है। इस बीमारी के इलाज में एंटीबायोटिक्स, इंट्रावीनस फ्ल्यूड, नियमित रूप से खून चढ़ाना और कई बार सर्जरी की भी जरूरत पड़ती है। यदि इस बीमारी से पीड़ित मरीज की समुचित देखरेख की जाए तो सिकल सेल रोग को प्रबंधित किया जा सकता है। इस बीमारी की गिरफ्त में आने वाले बच्चे को जन्म के तुरंत बाद वैक्सीन दी जाती है, जिनमें पेनीसीलियन प्रोफाइलैक्सिस और न्यूमोकॉकस बैक्टीरिया के लिए दिया जाने वाला टीका शामिल हैं, इसके अलावा फोलिक एसिड सप्लीमेंट भी दिया जाता है। हालांकि एससीडी के उपचार में हाइड्रोक्सीयूरिया और रक्त आधान सहित कई महत्वपूर्ण प्रगति हुई हैं लेकिन फिर भी इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है। कुछ व्यक्तियों के लिए इन उपचारों तक पहुंच भी सीमित हो सकती है। सिकल सेल बीमारी के कारण दुनियाभर में समय से पहले हो रही बच्चों की मौतों को देखते हुए इस पर नियंत्रण पाने के लिए दुनियाभर में वैज्ञानिक प्रयासरत हैं। दिसंबर 2023 में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने अमेरिका में 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के रोगियों में सिकल सेल रोग के इलाज के लिए पहली दो जीन थैरेपी को मंजूरी देने की घोषणा की थी। यह नया उपचार अमेरिका में एससीडी उपचार के लिए सही दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है, जहां यह बीमारी करीब एक लाख अमेरिकियों को हर साल प्रभावित करती है। हालांकि जीन थैरेपी और स्टेम सेल प्रत्यारोपण के जरिये सिकल सेल रोग का उपचार कराना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं क्योंकि उपचार की यह प्रक्रिया बहुत महंगी होती हैं। आमतौर पर सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए रोगी की आयु और रोग की गंभीरता के आधार पर डॉक्टर उपचार करते हैं। इस बीमारी से राहत के लिए प्रायः दर्द निवारक दवाईयां, रक्त प्रवाह में रुकावट को रोकने के लिए दवाएं, कीमोथैरेपी दवा और आरबीसी को आपस में बंधने और दरांती का आकार बनाने से रोकने वाली दवाएं दी जाती हैं।

देश दुनिया से

महिला सुरक्षा, जवाबदेही और न्याय के सवाल

कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल में नाबालिग दलित लड़की के साथ डॉक्टर द्वारा किए गए कथित दुराचार की घटना ने प्रदेश को झकझोर दिया। घटना के तुरंत बाद जनवादी महिला समिति और अन्य सामाजिक संगठनों ने कुरुक्षेत्र समेत विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़िता के पुनर्वास तथा राज्य महिला आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि आरोपी चिकित्सक पर विगत में भी यौन शोषण से जुड़े कई आरोप लगाए जाने की बात कही जाती है। वर्ष 2008 में कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आई एक कंप्यूटर साइंस छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे। अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि उस समय उन्हें न तो पद से हटाया गया और न ही स्थानांतरित किया गया। बाद में मामले में कथित रूप से जांच प्रक्रिया और बयान दर्ज होने के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट तैयार होने की बात कही गई। इसके अलावा वर्ष 2017 में भी एक दलित महिला द्वारा अस्पताल परिसर में दुराचार का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने और मामला अदालत तक पहुंचने की बात सामने आई। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौते की स्थिति बनने की बात सामने आई। वर्तमान घटनाक्रम में राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन 6 जून को कुरुक्षेत्र पहुंचीं और पूरे मामले की समीक्षा की। सभी जानते हैं कि नर्सों का कार्य डॉक्टरों की निगरानी करना नहीं, बल्कि मरीजों

की सेवा करना है। अस्पताल के भीतर नर्सों को लाइन में खड़ा कर वीडियो रिकॉर्डिंग कराने और कथित रूप से विवादस्पद टिप्पणियां करने को लेकर असंतोष उभरा। नर्सों ने अपने सम्मान और गरिमा से जुड़ी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए चेयरपर्सन से इस्तीफे और सार्वजनिक माफी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। नर्सों के आंदोलन के बाद जब उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, तब कथित रूप से आरोपी डॉक्टर और उन्हें संरक्षण देने वाली लॉबी द्वारा सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नर्सों के खिलाफ अभियान चलाया जाने लगा। ऐसे में यह अभियान यौन हिंसा के आरोपी और उनके समर्थकों को बचाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनवादी महिला समिति के नेतृत्व में 5 जून को कुरुक्षेत्र में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला नेतृत्व अस्पताल में पीड़ित बच्ची से भी मिला। उसके बाद ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा अगले दिन कुरुक्षेत्र पहुंचीं। वहां उनके व्यवहार को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिन्हें आयोग की गरिमा के अनुरूप नहीं माना गया। आरोप है कि उन्होंने आरोपी के बजाय नर्सिंग स्टाफ पर ही दोष मढ़ने की कोशिश की। सवाल यह है कि चिकित्सक के रूप में कार्यरत उस व्यक्ति पर पहले भी ऐसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं, फिर भी सेवानिवृत्ति के बाद उसे दोबारा नियुक्ति कैसे दी गई, इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है? यह प्रश्न प्रशासनिक और निर्णय प्रक्रिया की जवाबदेही की ओर संकेत करता है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि उच्च स्तर पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण से वह कानून की सख्ती से बचता रहा। ऐसे गंभीर आरोपों के बावजूद उसके खिलाफ प्रभावी दंडात्मक कदम नहीं उठाए गए। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए गठित संवैधानिक आयोग की अध्यक्ष होने के बावजूद, यदि सार्वजनिक रूप से नर्सिंग कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार और भाषा के प्रयोग के आरोप सामने आते हैं, तो इसे गंभीर आपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में अपेक्षा की जाती है कि वे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यालय में बैठकर औपचारिक तरीके से जानकारी प्राप्त करतीं। साथ ही सरकार से सवाल उठातीं कि संबंधित डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति कैसे हुई। पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा होती रही है कि कहीं यह प्रभावशाली राजनीतिक संरचना से जुड़े दबावों का परिणाम तो नहीं है। सवाल यह भी है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए बनी संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका क्या हो? यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि उनके पदों पर बैठे व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का कारण न बनें। विभिन्न मामलों से जुड़े प्रकरण या कुरुक्षेत्र अस्पताल में 15 वर्षीय दलित लड़की के कथित यौन शोषण—ने यह सवाल और गंभीर कर दिया है कि क्या आरोपियों को कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता रहा है। ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आप का नज़रिया

किशाऊ से कमाऊ बांध तक

हिमाचल के जलाधिकारों में किशाऊ बांध परियोजना मील का पत्थर साबित होने जा रही है। एक लंबे संघर्ष और पानी की बढ़ती जरूरतों ने हिमाचल की उपयोगिता और वास्तविकता को पहली बार करीने से पढ़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक जिस नतीजे पर पहुंची, वहां मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कौशल, मोल-तोल तथा राष्ट्रीय संसाधनों में जल की जरूरतें सामने आई हैं। हिमाचल के हिस्से की व्याख्या में लाभान्वित होने वाले राज्य दो हजार करोड़ की लागत वहन करेंगे, जबकि विद्युत उत्पाद से सौ करोड़ यूनिट बिजली रसीद होगी। जब परियोजना शुरू होगी तो हर साल हिमाचल के खाते में आएंगे छह सौ करोड़ रुपए। इस तरह की दस-बारह परियोजनाएं अगर अमल में आएं तथा चालीस वर्ष गुजार चुकीं विद्युत परियोजनाएं फिर से सैद्धांतिक रीत निभाएं, तो हिमाचल एक टैक्स फ्री राज्य बन सकता है। करीब 23 हजार मैगावाट की क्षमता से परिपूर्ण हिमाचल को अगर केंद्र इसी तरह न्याय की पताका सौंपे, तो आत्मनिर्भरता के किरदार में साहस व सामर्थ्य जुड़ जाएगा। किशाऊ बांध अब कमाऊ बांध बनने जा रहा है, तो इसी की बानगी में भाखड़ा, पौंग, कोल व अन्य बांध परियोजनाएं भी नई दृष्टि चाहती है। हिमाचल सरकार ने अंततः सबसे बड़ी पानी की जंग जीती है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने तथा मुकम्मल अंजाम तक पहुंचाने के लिए अभी और वकालत की जरूरत है। विद्युत परियोजनाओं में हिमाचल का श्रेय यह नहीं कि हमारी नदियां मैदानी इलाकों के लिए सिर्फ बिजली-पानी उगलती रहें, बल्कि हर कतरे की कीमत अगर जुड़ती है, तो इससे प्रदेश के आत्मसम्मान की सौगंध पूरी होगी। यह वर्ष हिमाचल के पक्ष में दो अनुकूल फैसले लाया है। इससे पूर्व चंद्रताल के पानी पर राष्ट्रीय उद्घोष हुआ, तो चंद्र-भागा नदियों से निकली संभावना का एक प्रवाह सुरंग द्वारा ब्यास में आकर मिलेगा। इससे जल शक्ति के रूप में ब्यास नदी सीधे हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान को खुशहाली का नया गीत सुनाएगी। चंद्र से बहता पानी अब पाकिस्तान से नाता तोड़ कर, लाहुल-स्पीति के कोकसर से मढ़ी तक 8.7 किलोमीटर सुरंग के जरिए, राष्ट्रीय योजनाओं के संदर्भ बदलेगा। ऐसे में किशाऊ बांध परियोजना पर रहा विवाद खत्म हुआ व हिमाचल की भूमि अब कहीं जाकर सम्मानित हुई है। कमोबेश हर बांध परियोजना का आज के परिप्रेक्ष्य में सही-सही मूल्यांकन करना पड़ेगा। आत्मनिर्भरता की दिशा में तर्क और तरीका बदलना होगा। इससे पहले जब हिमाचल सरकार ने बिजली आपूर्ति की बैंकिंग प्रणाली बदली, तो लाभ की गुंजाइश हमारे हिस्से में आई। पहले सर्दियों में हिमाचल ज्यादा बिजली लेकर, पंजाब को गर्मियों में लौटा देता था, लेकिन अब खरीद और बिक्री सीधे टर्म पर होगी, तो बचत दो सौ से ढाई सौ करोड़ की होगी। हिमाचल बिजली और पानी से अपनी आय के स्रोत बढ़ा सकता है और यह किशाऊ बांध परियोजना ने फिर से पुख्ता कर दिया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से पुनः आग्रह किया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से बारह वर्ष बाद मुफ्त बिजली की रॉयल्टी बारह फीसदी की दर से बढ़ाई जाए। इसी संदर्भ में बैरास्यूल परियोजना के 44 वर्ष पूर्ण होने पर निशुल्क बिजली की भागीदारी 50 प्रतिशत करने का आग्रह किया है। हिमाचल के न्यायोचित अधिकारों की रक्षा अगर केंद्र करे तो पंजाब-हरियाणा से ऊर्जा यूनिट के बकाया का छह प्रतिशत ब्याज के साथ 7784 करोड़ का भुगतान हो सकता है। इसी तरह शानन परियोजना की वापसी से सालाना तीन सौ करोड़ की आय हिमाचल को मिलेगी।

एक लंबे संघर्ष और पानी की बढ़ती जरूरतों ने हिमाचल की उपयोगिता और वास्तविकता को पहली बार करीने से पढ़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक जिस नतीजे पर पहुंची, वहां मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कौशल, मोल-तोल तथा राष्ट्रीय संसाधनों में जल की जरूरतें सामने आई हैं। हिमाचल के हिस्से की व्याख्या में लाभान्वित होने वाले राज्य दो हजार करोड़ की लागत वहन करेंगे, जबकि विद्युत उत्पाद से सौ करोड़ यूनिट बिजली रसीद होगी। जब परियोजना शुरू होगी तो हर साल हिमाचल के खाते में आएंगे छह सौ करोड़ रुपए। इस तरह की दस-बारह परियोजनाएं अगर अमल में आएं तथा चालीस वर्ष गुजार चुकीं विद्युत परियोजनाएं फिर से सैद्धांतिक रीत निभाएं, तो हिमाचल एक टैक्स फ्री राज्य बन सकता है। करीब 23 हजार मैगावाट की क्षमता से परिपूर्ण हिमाचल को अगर केंद्र इसी तरह न्याय की पताका सौंपे, तो आत्मनिर्भरता के किरदार में साहस व सामर्थ्य जुड़ जाएगा। किशाऊ बांध अब कमाऊ बांध बनने जा रहा है, तो इसी की बानगी में भाखड़ा, पौंग, कोल व अन्य बांध परियोजनाएं भी नई दृष्टि चाहती है। हिमाचल सरकार ने अंततः सबसे बड़ी पानी की जंग जीती है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने तथा मुकम्मल अंजाम तक पहुंचाने के लिए अभी और वकालत की जरूरत है। विद्युत परियोजनाओं में हिमाचल का श्रेय यह नहीं कि हमारी नदियां मैदानी इलाकों के लिए सिर्फ बिजली-पानी उगलती रहें, बल्कि हर कतरे की कीमत अगर जुड़ती है, तो इससे प्रदेश के आत्मसम्मान की सौगंध पूरी होगी। यह वर्ष हिमाचल के पक्ष में दो अनुकूल फैसले लाया है।

दृष्टि कोण

अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी। अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा। भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है। सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं।

सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे-धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया। अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है।

हाकी प्रो लीग : भारतीय टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

राटरडैम (नीदरलैंड)

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडैम चरण के अपने दूसरे मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलाकांत शर्मा (35वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ (45वें मिनट) ने किया।

यह मैच अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह के लिए एक यादगार रहा। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हाकी खिलाड़ी बने और उन्होंने पूर्व दिग्गज दिलीप टिर्की का रिकार्ड तोड़ दिया। मनप्रीत ने यह अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जबकि टिर्की ने 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

भारत ने मैच की शुरुआत अच्छी की और बाल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, जिससे शुरुआत में ही दबाव बना। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला, जब मनदीप ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले 13वें मिनट में लाकड़ा ने शानदार शाट लगाकर जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाया और स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने वापसी को कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस मजबूत बना रहा। जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कार्नर 24वें मिनट में मिला, लेकिन अमित रोहिदास ने उसे रोक दिया। लगातार अटैक करने के बाद जर्मनी को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचाव किया और हाफटाइम तक भारत की 2-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम गोल करने की कोशिश करती रही। उनकी मेहनत 35वें मिनट में रंग लाई, जब नीलाकांत ने शानदार गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए और गोल करने के बराबर मौके बनाए। आखिरकार, तीसरे क्वार्टर के खत्म होने में कुछ सेकेंड बाकी रहते हुए जर्मनी को सफलता मिली, जब राफेल हार्टकोफ ने 45वें मिनट में गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया। आखिरी क्वार्टर में भारतीय डिफेंस मजबूती से डटा रहा और जर्मनी को गोल करने से रोकते हुए 3-1 से शानदार जीत पक्की की।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया, कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रा पर रोका

न्यूजर्सी। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रा रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी। रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये। वहीं पुर्तगाल के कोच राबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने सोनकपुर स्टेडियम टीम को दो विकेट से हराया

मुरादाबाद। ब्रासिटी अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने सोनकपुर स्टेडियम टीम को दो विकेट से हराया। तीन विकेट लेने वाले मुरादाबाद सिटी के कार्तिक को मैन आफ द मैच चुना गया वहीं 41 रन की पारी खेलने वाले विवेक को गेम चेंजर अवार्ड दिया गया। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सोनकपुर स्टेडियम की टीम 29.3 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से हर्षवर्धन ने 79 गेंदों पर 56 रन और कुमार अभिमन्यु ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए। हालांकि कार्तिक की सटीक गेंदबाजी के आगे सोनकपुर स्टेडियम के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके। कोहिनूर और सक्षम ने भी दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने 23.2 ओवर में आठ विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। विवेक ने 31 गेंदों में 41 रन और अभिजीत ने 16 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सोनकपुर स्टेडियम की ओर से हर्षित ने तीन और विशाल ने दो विकेट लिए लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन। फीफा विश्व कप फुटबाल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकार्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पाट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

लगातार जीत से उत्साहित चंबल घड़ियाल्स कप्तान शुभम शर्मा, बोले- तैयारियों ने दिलाई सफलता

इंदौर

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 सिंधिया कप-2026 में चंबल घड़ियाल्स का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। टीम ने अब तक अपने सभी सात मुकाबले जीतकर अजेय रहने का रिकार्ड कायम रखा है। इस सफलता पर कप्तान शुभम शर्मा ने खुशी जताते हुए कहा कि लगातार जीत हासिल करना बेहद सुखद अनुभव है और टूर्नामेंट से पहले की गई कड़ी तैयारी ने टीम की इस कामयाबी में अहम भूमिका निभाई है।

चंबल घड़ियाल्स ने इस सीजन जीत का सिलसिला जारी रखा है। बीती रात टीम ने इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स को 39 रनों से हराकर लगातार सातवीं जीत दर्ज की। इससे टीम इस सीजन अंक तालिका में 14 अंकों के साथ टाप पर काबिज है।

बुंदेलखंड बुल्स के खिलाफ जीत के बाद कप्तान शुभम शर्मा ने कहा कि लगातार सात जीत हासिल करना बहुत अच्छा लग रहा है। जब तक हम जीतते रहते हैं तो ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक रहता है। हालांकि हमें पता है कि अभी भी कुछ ऐसी जगहे हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हर मैच में अलग-अलग चुनौतियां होती हैं और आज भी ऐसा ही था। हमने शुरुआत में कुछ विकेट गंवा दिए थे, इसलिए साझेदारी बनाना बहुत जरूरी हो गया था। कप्तान शर्मा ने कहा कि टूर्नामेंट से पहले की तैयारी ने हमारी सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। हमने ग्वालियर में एक साथ अच्छी ट्रेनिंग की, टीम के बीच मजबूत तालमेल बनाया और वही समझ हमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में मदद कर रही है। मुकाबले की बात करें तो चंबल घड़ियाल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभम शर्मा (81) और त्रिपुरेश सिंह (50) की शानदार पारियों की बदौलत अपने 20 ओवरों में आठ विकेट पर 218 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इन दोनों के अलावा अंकुश सिंह 26 रन, अमन भदौरिया 15 रन, मयूर पटेल ने नाबाद 13 रन और आवेश खान ने 7 रन का योगदान दिया। बुंदेलखंड बुल्स की ओर से अनंत दुबे ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। यश पाटीदार, हर्षित परसाई, शिवांग कुमार और विक्रांत भदोरिया ने एक-एक विकेट लिया।

फीफा विश्वकप : हैरी केन के अच्छे प्रदर्शन से इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया

अर्लिंग्टन। कप्तान हैरी केन के दो गोलों की सहायता से इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप फुटबाल के अपने पहले ही मैच में जीत से शुरुआत की है। इंग्लैंड ने डलास स्टेडियम में हुए ग्रुप एल के एक मुकाबले में क्रोएशिया को रोमांचक मुकाबले में 4-2 से हरा दिया। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी ने दो गोल दागे। हैरी के अलावा जूड बेलिंगहैम और स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल किया। दोनों टीमों ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। क्रोएशिया ने हमलों की शुरुआत की पर इसके बाद इंग्लैंड ने भी पलटवार किये। 12वें मिनट में इंग्लैंड को पेनल्टी मिली। पेनल्टी पर केन के शाट को गोलकीपर ने रोक लिया पर फाउल होने से दोबारा पेनाल्टी ली गयी। इसमें केन गोल दागने में सफल रहे। इससे टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। इसके बाद क्रोएशिया ने वापसी के प्रयास शुरु किये। उसकी ओर से मार्टिन बटुरिना ने शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इससे इंग्लैंड को फिर से बढ़त मिल गयी। कार्नर किक पर हैरी ने अच्छा हेडर लगाकर अपना दूसरा गोल दागने के साथ ही इंग्लैंड को 2-1 से फिर बढ़त दिला दी।पहले हाफ के अंत में एक बार फिर क्रोएशिया ने गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। ये गोल में इवान पेरिसिक के पास पर मूसा ने किया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने आक्राकम अंदाज अपनाया। खेल शुरू होने के केवल दो मिनट बाद ही जूड बेलिंगहैम ने एक मैदानी गोल किया। उन्होंने सटीक शाट लगाकर इंग्लैंड को मुकाबले में 3-2 से बढ़त दिला दी। इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार हमले किये पर क्रोएशियाई रक्षापंक्त ने विफल कर दिये। बेलिंगहैम, डेक्लान राइस और निको ओरेली ने गोल के प्रयास किये पर क्रोएशियाई गोलकीपर लिवाकोविक ने उन्हें विफल कर दिया।

10 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का अगला सत्र : सैकिया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2027 सत्र 10 मार्च में शुरु हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि मार्च की शुरुआत में ही सत्र शुरु करने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों, दर्शकों सहित सभी लोगों को तेज गरमी से बचाया जा सके।

सैकिया के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए लीग को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक रखे जाने की योजना बनायी गयी है। सैकिया ने हालांकि साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने का कोई इरादा नहीं है।.

मैचों की संख्या बढ़ाने का कोई इरादा नहीं

गौरतलब है कि आईपीएल आमतौर पर मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल को जल्दी शुरू करने से खिलाड़ी ही नहीं दर्शकों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा, इस साल आईपीएल मार्च अंत में शुरू हुआ और 31 मई तक चला। 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है।

सैकिया ने कहा, इसके अलावा मई में मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए सही होता है।। इसलिए मई के अंतिम पखवाड़े में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए टूर्नामेंट को दो सप्ताह पहले शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के साथ-साथ हमारी आईपीएल संचालन परिषद में भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या हम टूर्नामेंट को मार्च के शुरू में प्रारंभ कर सकते हैं।

सैकिया ने कहा, अगले साल से हम इसे जल्दी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मैंने अपने महाप्रबंधक (खेल विकास) (पूर्व तेज गेंदबाज एबी कुरुविला) को निर्देश दे दिया है कि वह ऐसा कार्यक्रम तैयार करें जिससे हम 10 मार्च तक टूर्नामेंट शुरू करके 15 मई तक समाप्त कर सकें।

ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन 22 से 27 जून तक रायपुर में

रायपुर। प्रतिष्ठित ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन पहली बार रायपुर में होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 22 से 27 जून तक बूढ़ापारा स्थित स्क्वैश काम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में हो रहा है। इसमें पीएसए सैटेलाइट (पुरूष और महिला) स्पर्धाएं भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया है कि यह प्रतियोगिता स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन आफ इंडिया की 5 स्टार रैंकिंग प्राप्त है, जिसे एशियन स्क्वैश फेडरेशन और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन से भी मान्यता प्राप्त है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की 5-स्टार रैंकिंग प्रतियोगिता है, जिसमें भारत, सिंगापुर सहित 3 देशों और 21 राज्यों के लगभग 349 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

महिला हाकी नेशंस कप : भारत ने उरुग्वे को 3-2 से हराया

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया।

इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया, जिसमें अमेरिका, जापान और उरुग्वे पर लगातार तीन जीत शामिल हैं। अमेरिका पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

न्यूजीलैंड के आकलैंड में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए दीपिका (24वें मिनट, 56वें मिनट) और दीपिका सोरेंग (43वें मिनट) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए चियारा एपेंनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलार (55वें मिनट) ने गोल दागे। यह मैच मिडफील्डर नेहा के लिए एक खास मौका था, जिन्होंने भारतीय महिला हाकी टीम के लिए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

मुकाबले के पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद उरुग्वे ने 13वें मिनट में चियारा के गोल से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि भारत ने जोरदार वापसी करते हुए हाफ टाइम से पहले अपनी शानदार फार्म में चल रही खिलाड़ी दीपिका के पेनल्टी कार्नर को 24वें मिनट में सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

पहले हाफ के बाद भारत ने अपनी खेल की तीव्रता बढ़ाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग के शानदार गोल की बदौलत भारत ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

उरुग्वे ने वापसी करते हुए कप्तान मनुएला के गोल से बराबरी कर ली। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब दिया। महज एक मिनट बाद दीपिका ने पेनल्टी कार्नर से अपना दूसरा गोल दागकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी, जिससे भारत की जीत सुनिश्चित हो गई।

हाकी इंडिया ने मिडफील्डर नेहा को 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर दी बधाई

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने अनुभवी मिडफील्डर नेहा को भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी है। उन्होंने गुरुवार को न्यूजीलैंड के आकलैंड में आयोजित एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप में उरुग्वे के खिलाफ मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने मिडफील्डर नेहा की उपलब्धि की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय हाकी में उनके लंबे करियर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना किसी भी खिलाड़ी के करियर में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। नेहा एक दशक से अधिक समय से हमारी मिडफील्ड की अहम खिलाड़ी रही हैं। मैदान पर कठिन परिस्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता उनकी आंतरिक शक्ति और चरित्र को दर्शाती है। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हम भारतीय हाकी में उनके अमूल्य योगदान को सलाम करते हैं और राष्ट्रीय जर्सी में उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक महत्वाकांक्षी युवा खिलाड़ी से भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने तक नेहा का सफर वाकई शानदार है। वह दृढ़ता की मिसाल हैं और उन्होंने साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। मिडफील्ड में उनकी मौजूदगी टीम में एक अलग ही ऊर्जा भर देती है। यह उपलब्धि खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का फल है। उनका करियर निश्चित रूप से देश भर की कई युवा लड़कियों को हाकी खेलने के लिए प्रेरित करेगा।

इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए नेहा ने कहा कि भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करके मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं अपने परिवार और प्रीतम सिवाच मैम को हर सुख-दुख में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं हाकी इंडिया, अपनी टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ की भी आभारी हूं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझ पर भरोसा जताया और मेरा मार्गदर्शन किया।

हरियाणा के सोनीपत में जन्मी नेहा ने पूर्व भारतीय कप्तान प्रीतम रानी सिवाच के मार्गदर्शन में हाकी खेलना शुरू किया था। उन्होंने 2014 में ग्लासगो (स्काटलैंड) में आयोजित एफआईएच चैंपियंस चैलेंज में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। पदार्पण के बाद से ही उन्होंने भारतीय महिला हाकी टीम में मिडफील्ड की एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। नेहा राष्ट्रीय टीम के सबसे महत्वपूर्ण दौर में एक केंद्रीय स्तंभ रही हैं। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम में वह एक अहम सदस्य थीं। उनके शानदार करियर में जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतना भी शामिल है। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को कांस्य पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अतिरिक्त, नेहा ने 2022 में आयोजित एफआईएच महिला नेशंस कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2023 में एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता। हाल ही में उन्होंने 2025 एशिया कप में राष्ट्रीय टीम को रजत पदक दिलाने में मदद की। वह रांची और राजगीर में आयोजित महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थीं।

बेसिक पीजी कॉलेज में निःशुल्क करियर काउंसलिंग वैन का आयोजन, छात्रों को मिला मार्गदर्शन

बीकानेर, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । निर्विकल्प फाउंडेशन द्वारा बीकाजी के सहयोग से संचालित निःशुल्क करियर काउंसलिंग वैन गुरुवार को नया शहर स्थित बेसिक पीजी कॉलेज पहुंची। यहां विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में करियर काउंसलर लोचन पारीक, सीएस बीकानेर ब्रांच चेयरमैन खुशबू कोठारी, स्किल एक्सपर्ट डॉ. अमित व्यास और प्रोजेक्ट समन्वयक मनन श्रीमाली ने छात्रों को करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास, प्रोफेशनल कोर्सेज और रोजगार के बदलते अवसरों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि सफलता के लिए डिग्री के साथ व्यावहारिक कौशल, संचार क्षमता और तकनीकी दक्षता भी जरूरी है। संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं व रोजगार से जुड़े सवाल पूछे और व्यक्तिगत परामर्श लिया। प्रोजेक्ट समन्वयक मनन श्रीमाली ने बताया कि यह वैन जिले के अन्य स्कूल-कॉलेजों में भी निःशुल्क मार्गदर्शन देगी।

बेसिक पीजी कॉलेज की रोशनी शर्मा, वासुदेव पंवार व सीमा शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इसे युवाओं के भविष्य निर्माण के लिए प्रभावी प्रयास बताया।

समाजसेवी श्याम विजयवर्गीय का केबीआर पार्क मित्रगणों द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, एल.एन. अग्रवाल, सावरमल अग्रवाल, नारायण भेती, पुरषोत्तम भेती, जवाहर सोलंकी, श्रीकिशन डांगा, रमाकांत इन्नानी, कमल मुंदड़ा, विनय सांगी, आनंद अग्रवाल, पृथ्वीराज, किशोर, आशीष रस्तोगी, सतीश नवंदर, आशीष कपूर समेत अन्य मित्र उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज अग्रआध्या नारी संस्थान पैराडाइस शाखा की वार्षिक साधारण सभा बुधवार को परनामी मंदिर, सिंधी कॉलोनी, पैराडाइस सर्किल, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। सभा में सरोज अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, सविता अग्रवाल, बीना टंडन और रेणु चोखानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना परम सौभाग्य की बात : दीपचंद अग्रवाल

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने सेवा भाव के साथ जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण कर मानवता, करुणा और परोपकार का संदेश दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर सेवा कार्यों में सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए दीपचंद अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना केवल सौभाग्य नहीं, बल्कि परम सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे संगठन बहुत कम देखने को मिलते हैं जो बिना किसी अपेक्षा के निरंतर मानव सेवा में समर्पित रहते हैं। राधे-राधे ग्रुप ने सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिससे अनेक लोग प्रेरित होकर समाजहित के कार्यों से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। भूखे

व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची पूजा है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम जरूरतमंद लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रहे हैं। इससे समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और परस्पर प्रेम की भावना को भी बल मिल रहा है।

दीपचंद अग्रवाल ने कहा कि सेवा कार्यों से व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा जीवन को नई दिशा मिलती है। जब समाज के सक्षम लोग आगे बढ़कर जरूरतमंदों की सहायता करते हैं तो सामाजिक समरसता मजबूत होती है और एक बेहतर समाज का निर्माण संभव होता है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रुप वर्षों से निस्वार्थ भाव से अन्नदान, सामाजिक सहयोग एवं जनकल्याण के विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। यही कारण है कि आज राधे-राधे ग्रुप सेवा और समर्पण का पर्याय बन चुका है।

अंत में सभी सदस्यों ने समाज के अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने तथा जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल एवं जगन गुप्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर का अस्पताल और स्कूलों का औचक निरीक्षण, दिए जरूरी निर्देश

पेद्दापल्ली, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने गुरुवार को पेद्दापल्ली शहर में माता शिशु सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपी काउंटर और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की जांच की और निर्देश दिए कि बच्चों के ओपी में भीड़ से बचने के लिए लाइन सिस्टम से सेवाएं दी जाएं। नए डॉक्टरों ने कलेक्टर से शिष्टाचार भेंट की।

इसके बाद कलेक्टर ने बंदरकुंटा एमपीपीएस सरकारी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि कोई भी छात्र स्कूल न छोड़े और सरकारी स्कूलों की नई सुविधाओं का प्रचार कर प्रवेश बढ़ाएं। आंगनवाड़ी में अंडों व खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांची और स्टॉक को सरकारी गाइडलाइन के अनुसार प्रबंधित करने को कहा। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष निगरानी के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान डीसीएचएस डॉ. श्रीधर, आरएमओ डॉ. विजय, अन्य मेडिकल स्टाफ व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

देश के सबसे तेजी से बढ़ते पेट केयर ब्रांड पेटफॉक ने

लॉन्च किया इनोवेटिव ग्रूमिंग पॉड

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

पालतू जानवरों (पेट्स) की देखभाल के क्षेत्र में देश के सबसे तेजी से उभरते ब्रांड पेटफॉक ने एक अनूठी पहल की है। ब्रांड ने बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क में अपने अभिनव 'पेटफॉक ग्रूमिंग पॉड' का भव्य शुभारंभ किया है। इस अत्याधुनिक ग्रूमिंग पॉड का उद्घाटन मुख्य अतिथि तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन (आईएएस), आर.वी. कर्नन (आईएएस) और खैरताबाद के जोनल कमिश्नर बी. संतोष (आईएएस) के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

इस भव्य लॉन्चिंग के अवसर पर पेटफॉक की ओर से लक्ष्मीकांत पुदुचेरी, सुष्मिता और आसिफ भी मौजूद रहे। कंपनी ने अपने भविष्य के विज़न को साझा करते हुए घोषणा की कि पेटफॉक साल 2027 के मध्य तक पूरे भारत में 100 नए आउटलेट्स लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। बंजारा हिल्स में खुला यह नया पॉड पालतू जानवरों के मालिकों को उनके लाडलों के लिए एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पेटफॉक का यह इनोवेटिव ग्रूमिंग पॉड आधुनिक तकनीकों से लैस है, जो पालतू जानवरों की हर छोटी-बड़ी जरूरत का ख्याल रखेगा। इस पॉड में पेट ग्रूमिंग, रोजाना की पेट केयर सॉल्यूशंस , पेट वेलनेस और पेट न्यूट्रिशन सहित कई अन्य बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि पेट्स को एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन मिल सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूक्रेन जलेगा...

अब यूक्रेन लंबी दूरी तक हमला करने में सक्षम हो गया है, जबकि रूस ने भी राजधानी के चारों ओर मजबूत एयर डिफेंस तैनात कर रखा है।

इस वजह से युद्ध अब सिर्फ फ्रंटलाइन तक सीमित नहीं रहा। दोनों देश तेल डिपो, रिफाइनरी और दूसरे रणनीतिक ठिकानों को निशाना बना रहे हैं।

मॉस्को पर बड़े हमले के बीच जी7 देशों ने यूक्रेन के लिए सैन्य मदद बढ़ाने का ऐलान किया है। संगठन ने कहा कि यूक्रेन को ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम, इंटरसेप्टर और लंबी दूरी के हथियार दिए जाएंगे।

इसके अलावा रूस के तेल और गैस कारोबार पर प्रतिबंध और सख्त किए जाएंगे। जी7 देशों ने सर्दियों से पहले यूक्रेन की बिजली और ऊर्जा जरूरतों के लिए भी अतिरिक्त मदद देने का भरोसा दिया है।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराना आसान होगा, लेकिन दोनों देशों के बीच गहरी दुश्मनी ने बातचीत को मुश्किल बना दिया है।

उन्होंने कहा कि उनकी वोलोदिमिर जेलेंस्की और व्लादिमिर पुतिन दोनों से अच्छी बातचीत हुई है और वह इस युद्ध का अंत देखना चाहते हैं।

योगी आज...

इस पर ट्रस्ट और सरकार मंथन कर रही है।

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं।

सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर उइख जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली।

आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर राम मंदिर चंदा मामले को लेकर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि करोड़ों रुपए की हेराफेरी और गबन के मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए अयोध्या थाने में तहरीर दी है।

संजय सिंह ने पोस्ट में लिखा- राम के नाम पर चंदा चोरी नहीं चलेगी। उन्होंने मामले में दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

लखनऊ में राम मंदिर दान मामले पर पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन ने कहा कि इस मामले में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। एक आपराधिक कृत्य हुआ है और यह कितने समय से चल रहा है, इसकी पूरी जानकारी सामने आनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि मामले की जांच सीबीआई जैसी एजेंसी को सौंपी जानी चाहिए, ताकि निष्पक्ष तरीके से जांच हो सके। उन्होंने कहा कि एक विशेष टीम बनाकर पूरे मामले की छानबीन की जाए।

अरविंद कुमार जैन ने कहा कि मंदिर के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू होने के समय से ही आरोप लगते रहे हैं। शिलाओं के गायब होने, भगवान को चढ़ाए गए आभूषणों और सोने में बदलाव जैसे सभी मामलों की विस्तृत जांच होनी चाहिए।

होर्मुज से...

समुद्री मार्गों को सुरक्षित बनाने और बारूदी सुरंगों की जांच जैसे कई काम अभी बाकी हैं। इसके बावजूद समझौते का असर तुरंत दिखाई देने लगा है। कई जहाज, जो सेफ्टी रीजन (सुरक्षा कारणों) से अपनी लोकेशन छिपा रहे थे, अब फिर से अपने ट्रांसपोंडर चालू कर खुले तौर पर यात्रा कर रहे हैं। शांति समझौते के बाद ग्लोबल ऑयल मार्केट में भी असर दिखाई दिया है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और कीमत 78 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। यह स्तर युद्ध शुरू होने के बाद का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। यह समझौता अगले 60 दिनों की औपचारिक बातचीत की शुरुआत करता है, जिसके दौरान युद्ध के स्थायी समाधान पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि फरवरी में ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। समझौते का सबसे संवेदनशील पहलू लेबनान को लेकर है। समझौते में लेबनान में युद्ध को ''स्थायी रूप से समाप्त'' करने और उसकी क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता की रक्षा सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यह ईरान की लंबे समय से चली आ रही मांग थी कि किसी भी शांति समझौते में लेबनान को शामिल किया जाए।

लेकिन इजरायल इस समझौते की बातचीत प्रोसेस का हिस्सा नहीं था। इजरायल ने मार्च में लेबनान में सैन्य अभियान शुरू किया था और हिजबुल्लाह लड़ाकों के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

इजरायल पीछे हटने को तैयार नहीं

इजरायल ने साफ कर दिया है कि वह लेबनान से अपनी सेना हटाने का इरादा नहीं रखता। गुरुवार को इजरायल ने एक नया नक्शा जारी किया, जिसमें दक्षिणी लेबनान के अधिक क्षेत्रों को अपने नियंत्रण वाले बफर जोन के रूप में दिखाया गया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सरकार के दो अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत जारी है ताकि इजरायली सेना को लेबनान में बनाए रखा जा सके। नेतन्याहू के करीबी एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन वार्ताओं को ''कठिन और जिद्दी'' बताया और कहा कि इजरायल पीछे हटने वाला नहीं है।

लेबनान में फिर हवाई हमले

गुरुवार को लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि दक्षिणी लेबनान के कफरतबनित और जेबदीन कस्बों पर इजरायली हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं राजधानी बेरूत और उसके दक्षिणी इलाकों में इजरायली ड्रोन की गतिविधियां भी देखी गईं।

नबातियेह शहर से विस्थापित होकर बेरूत में रह रहे मोहम्मद दोगमान ने कहा, ''ईरान और अमेरिका का मामला खत्म हो गया होगा, लेकिन लेबनान में युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। हमें साफ जवाब चाहिए कि यह संघर्ष वास्तव में समाप्त हुआ है या फिर दोबारा शुरू होगा।''

ट्रंप-नेतन्याहू रिश्तों में दरार

कई वर्षों से डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच करीबी संबंध रहे हैं। लेकिन लेबनान को लेकर ट्रंप का बदला रुख दोनों नेताओं के बीच हाल के वर्षों की सबसे बड़ी राजनीतिक दरार माना जा रहा है। ट्रंप ने हाल के दिनों में इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना करते हुए कहा था कि हिजबुल्लाह के लड़ाकों को निशाना बनाने के नाम पर पूरे-पूरे भवन नष्ट किए जा रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि ट्रंप लेबनान युद्ध को समाप्त कराने पर अड़े रहते हैं तो इजरायल को या तो सैन्य दबाव कम करना होगा या फिर अमेरिकी कूटनीतिक समर्थन खोने का जोखिम उठाना पड़ सकता है।हालांकि ट्रंप प्रशासन का कहना है कि आगामी बातचीत में ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर भी व्यापक समझौता हो सकता है। दूसरी ओर उनके आलोचकों का आरोप है कि युद्ध के बावजूद ईरान ने न केवल अपना अस्तित्व बनाए रखा बल्कि होरमुज जलडमरूमध्य पर प्रभाव कायम रखते हुए प्रतिबंधों में भी महत्वपूर्ण राहत हासिल कर ली।

बेगानी शादी...

प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने मध्यस्थ के तौर पर इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तान का दावा है कि इस हस्ताक्षर से ईरान और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक शांति समझौते पर औपचारिक रूप से मोहर लग गई है।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मध्यस्थ के तौर पर इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने अपने-अपने देशों की ओर से इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में एक औपचारिक समारोह आयोजित कर ''ऐतिहासिक शांति समझौते'' का समर्थन करते हुए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने गारंटर के तौर पर इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए। इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

छवि सुधारने की कोशिश

पाकिस्तान की राजनीति पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट का कहना है कि आर्थिक संकट, आईएमएफ की किस्तों और घरेलू राजनीतिक दबाव से जूझ रहे शहबाज शरीफ किसी भी अंतरराष्ट्रीय मुद्दे में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर घरेलू स्तर पर छवि सुधारना चाहते हैं।

दरअसल, पाकिस्तान की चिंता केवल पड़ोसी प्रेम नहीं है। ईरान उसका पड़ोसी है, दोनों की सीमा साझी है और क्षेत्रीय राजनीति में दोनों देशों के हित कई जगह टकराते भी हैं और मिलते भी हैं। यदि अमेरिका और ईरान के बीच रिश्तों में नरमी आती है, तो मध्य पूर्व का पूरी शक्ति-समीकरण बदल सकता है। ऐसे में पाकिस्तान को डर है कि कहीं वह क्षेत्रीय समीकरणों में हाशिये पर न चला जाए।

बातचीत की मेज पर कुर्सी नहीं

दिलचस्प बात यह है कि जब भी ईरान-अमेरिका वार्ता आगे बढ़ती है, पाकिस्तान खुद को किसी न किसी रूप में चर्चा का हिस्सा बनाने की कोशिश करता है। कभी मध्यस्थता की पेशकश, कभी क्षेत्रीय स्थिरता की चिंता और कभी मुस्लिम दुनिया की एकजुटता का हवाला। लेकिन वास्तविकता यह है कि बातचीत की मेज पर उसकी कुर्सी लगी ही नहीं होती।इस डील में पाकिस्तान का एक मात्र रोल इतना रहा कि उसकी राजधानी में कुछ घंटे की वार्ता हुई, लेकिन वो भी वार्ता फेल रही। जी-7 के जिस मंच पर डील पर समझौता किया गया, वहां पाकिस्तान को न्योता भी नहीं था। पहले पाकिस्तान को ये कहा गया कि आखिरी डील को स्विटजरलैंड के जेनेवा में साइन किया जाएगा। लेकिन वर्चुअली इस डील को साइन करने के बाद अब स्विटजरलैंड का पूरा प्रोग्राम ही कैंसिल कर लिया गया है।

क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की बेचैनी

क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की पाकिस्तान की यह बेचैनी नई नहीं है। अफगानिस्तान से लेकर खाड़ी देशों तक, इस्लामाबाद अक्सर खुद को हर बड़े समीकरण का अनिवार्य हिस्सा साबित करने की कोशिश करता रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में महत्व बयान देने से नहीं, प्रभाव पैदा करने से मिलता है।

कांग्रेस में विलय...

बगावत कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था। लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) के 9 सांसद हैं। दल-बदल कानून के तहत किसी दल में टूट के बाद अयोग्यता से बचने के लिए कम से कम दो-तिहाई सांसदों का साथ होना जरूरी है। यानी अगर 9 में से 6 सांसद एक साथ अलग होने का फैसला करते हैं, तो वे खुद को वैध गुट बताने का दावा कर सकते हैं। इसी वजह से 6 सांसदों के बगावत करने की खबर राजनीतिक और कानूनी, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जानकारों के मुताबिक, सिर्फ अलग गुट बनाना ही काफी नहीं होगा। आगे चलकर इन सांसदों को किसी दूसरे दल में विलय की प्रक्रिया भी पूरी करनी पड़ सकती है, ताकि उनकी स्थिति कानूनी रूप से और मजबूत हो सके।

संजय राउत बोले- हमारे सांसद किडनैप हुए

दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक में 9 में से सिर्फ 3 लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे पहुंचे। पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को व्हिप जारी कर दिल्ली में होने वाली बैठक में मौजूद रहने का निर्देश दिया था।

बैठक में पहुंचे सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि जो सांसद नहीं आए पार्टी उनके खिलाफ नोटिस जारी करेगी। हालांकि संजय राउत ने कहा कि हमारे सांसदों को किडनैप किया गया है। जो बैठक में आएगा वो हमारे साथ है, जो नहीं आएगा वो गद्दार।

पूर्व पीएम के बेटे ...

मैसेज नरेश गुजराल ने नहीं भेजा था। किसी ठग ने उनकी फोटो लगाकर खुद को उनके जैसा दिखाने की कोशिश की और व्हाट्सएप पर उसी तरह बात की। अधिकारी को इस पर शक नहीं हुआ और उसने पैसे ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद अगले चार दिनों तक ठग लगातार पैसे मांगता रहा और हर बार अधिकारी ने पैसे भेज दिए। आखिर में कुल मिलाकर करीब 7.8 करोड़ रुपये उस ठग के अकाउंट में ट्रांसफर हो गए।

बैंक और सीएफओ तक गच्चा खा गए

इस बीच बैंक को इतनी बड़ी ट्रांजैक्शन देखकर शक हुआ और उन्होंने कंपनी के सीएफओ से संपर्क किया। हालांकि सीएफओ ने भी यह मान लिया कि निर्देश नरेश गुजराल की तरफ से ही आए हैं, इसलिए ट्रांजैक्शन जारी रहे।

मामले में मोड़ तब आया जब 16 जून को उस अधिकारी को शक हुआ। उसने नरेश गुजराल की बेटी दीक्षा से संपर्क किया और बताया कि आपके पिता पैसे ट्रांसफर करने को कह रहे हैं। यह सुनकर दीक्षा भी हैरान रह गईं, क्योंकि नरेश गुजराल ने ऐसी कोई बात नहीं कही थी।

इसके बाद परिवार को समझ आया कि यह साइबर फ्रॉड है और तुरंत पुलिस में शिकायत की गई। 16 जून को ही ई-एफआईआर दर्ज कराई गई।

पुलिस ने 4 करोड़ रुपये किए फ्रीज

दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम आईएफएसओ ने इस मामले की जांच शुरू की और जिस अकाउंट में पैसे ट्रांसफर हुए थे, उसे ट्रैक किया। हैरानी की बात यह रही कि ठगी गई रकम का बड़ा हिस्सा अभी भी उसी अकाउंट में मौजूद मिला।

आम तौर पर ऐसे मामलों में पैसे कुछ ही मिनटों में कई अकाउंट्स में ट्रांसफर कर दिए जाते हैं, लेकिन इस केस में ऐसा नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि 4 करोड़ रुपये ट्रेस कर लिए गए हैं और फ्रीज कर दिए गए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री कुलपाकजी महातीर्थ के 1400वें वर्ष के स्वर्णिम महामहोत्सव-2027 की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

11 से 15 फरवरी 2027 तक आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वर के सान्निध्य में होगा भव्य आयोजन

प्रतिदिन 25 हजार श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना, व्यापक तैयारियां शुरू

समाजजनों से गच्छ एवं मतभेदों से ऊपर उठकर सहभागिता का आह्वान

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्वेतांबर मूर्तिपूजक तीर्थ कुलपाकजी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री कुलपाकजी महातीर्थ के 1400वें वर्ष के स्वर्णिम माणिक्यम महामहोत्सव-2027 की तैयारियों को लेकर बांठिया गार्डन में एक महत्वपूर्ण बैठक तीर्थ अध्यक्ष सुरेंद्र बांठिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि यह ऐतिहासिक महामहोत्सव 11 से 15 फरवरी 2027 तक सूरी सम्राट राष्ट्ररत्न खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज के पावन सान्निध्य में भव्य, नव्य एवं दिव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसे राखी बाफना, विनीता मेहता एवं अर्चना नाहटा ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन शीलकुमार खिवसरा ने किया।

स्वागत उद्बोधन में सुरेंद्र बांठिया ने कहा कि कुलपाकजी महातीर्थ के 1400 वर्ष पूर्ण होने का यह स्वर्णिम अवसर अत्यंत दुर्लभ एवं ऐतिहासिक है। उन्होंने समाजजनों से गच्छ एवं मतभेदों से ऊपर उठकर दक्षिण भारत के सिद्धाचल कहे जाने वाले इस पावन तीर्थ के महामहोत्सव में सहभागी बनने का आह्वान किया।

कोषाध्यक्ष इंदरमल चोरड़िया ने बताया कि महामहोत्सव के सफल आयोजन हेतु प्रधान संयोजक बसन्त बाफना के नेतृत्व में गौतम सहलोत, मनोज फागनिया, ललित चोपड़ा एवं शीलकुमार खिवसरा को संयोजक बनाया गया है। साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

प्रधान संयोजक बसन्त बाफना ने बताया कि विभिन्न संप्रदायों के गुरुभगवंतों को महामहोत्सव में पधारने हेतु विनती की गई है तथा देशभर के अनेक संघों में जाकर मौखिक आमंत्रण भी दिए जा रहे हैं। आगामी समय में अन्य क्षेत्रों में भी आमंत्रण यात्राओं का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 13, 14 एवं 15 फरवरी 2027 को प्रतिदिन लगभग 25 हजार श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। इसे देखते हुए आवास, भोजन, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं की व्यापक योजना तैयार की जा रही है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज का आगामी चातुर्मास कारवां दादावाड़ी प्रांगण में होगा। 15 जुलाई 2026 से 15 फरवरी 2027 तक नगरवासियों को उनके सान्निध्य का लाभ प्राप्त होगा। उनका नगर प्रवेश 15 जुलाई 2026 को बोलाराम में तथा मंगल प्रवेश 26 जुलाई 2026 को महावीर हॉस्पिटल, ए.सी. गार्ड्स से कारवां दादावाड़ी में होगा। अधिकाधिक श्रद्धालुओं से मंगल प्रवेश एवं धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की गई।

बैठक में बताया गया कि हैदराबाद से कुलपाकजी तक आयोजित सात दिवसीय छःरी पालित संघ का लाभ नरेश बोहरा एवं रितेश बोहरा (गेविन्स परिवार) द्वारा लिया गया है। इसके अतिरिक्त कुलपाकजी में 51 दिवसीय उपधान तप का भी आयोजन किया जाएगा।

बैठक के दौरान एक विशेष एवं प्रेरणादायी क्षण तब आया जब युगप्रधान महातपस्वी, महामनस्वी एवं शांतिदूत आचार्य महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य मुनि दीपक कुमारजी आदि ठाणा-2 का सभास्थल पर पदार्पण हुआ।

उन्होंने महामहोत्सव की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए सभी को आशीर्वाद प्रदान किया तथा मांगलिक पाठ का श्रवण कराया।

इस अवसर पर गौतम गुगलिया, मोतीलाल बोथरा, अशोक बरमेचा, योगेश गांधी, गौतम सहलोत, डॉ. घिसूलाल जैन, सुशील संचेती, पारस दोशी, उमेश बागरेचा, कैलाश भंडारी, विक्रमसिंह ढड्ढा, प्रशांत कोचेटा, अमित मुनोत, राजकुमार सुराणा, किरण शाह, विनीता मेहता सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महामहोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया तथा पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सुरेंद्र बांठिया, इंद्रचंद चोरड़िया, बसन्त बाफना, सुशील कपाड़िया, श्रीकांत छल्लानी, संगेश दलाल, शील जैन, गौतम सहलोत, संजय फागनिया, ललित चोपड़ा, रायचंद छाजेड़, चुन्नीलाल संकलेचा, योगेश गांधी, राजकुमार सुराणा, सुभाष गोलेच्छा, दयालचंद झाबक, विनोद छल्लानी, महावीरचंद चोपड़ा, गौतमचंद गुगलिया, अमृतकुमार जैन, कैलाश भंडारी, योगेश सिंघी, उमेश बागरेचा, प्रदीप सुराणा, ओमप्रकाश हुंडिया, अशोक बरमेचा, सुभाष पिरोदिया, अमित मुनोत, किरण शाह, चेतन शाह, सुनील बांठिया, महेंद्र गोलेच्छा, मुकेश कटारिया, सुरेश रमाणी, संतोष लूणावत, विमल नाहटा, सज्जन भंडारी, मोतीलाल बोथरा, राजेंद्र मुथा, दिनेश पिरगल, योगेश सोनी, भद्रेश शाह, महावीर सुराणा, राजीव समदरिया, प्रीतिश बोहरा, अनूप बडेरा, पूनम नाहटा, परेश शाह, अशोक चोपड़ा, संजय गोलेच्छा, महावीर तातेड़, पवन बल्लावत, अनिल बांठिया, प्रशांत कोचेटा, अशोक लूणावत, विनय नाहटा, अशोक रामपुरिया, हितेश वाणीगोता, बी.एल. भंडारी, विमल कटारिया, राजेश रायसोनी, गगन सिसोदिया, बाबूलाल दोषी, योगेश झाबक, ज्योति बांठिया, निशा जैन, राखी बाफना, विनीता मेहता, अर्चना नाहटा, अर्चना मखाना, निर्मला रामपुरिया, मोतीलाल जैन, राजेश रतनिया, दिनेश चोपड़ा, धर्मेंद्र समदरिया, गौतम जैन, जयेश शाह, विमल चोरड़िया, कीर्ति सुराणा, नरेश बोहरा, रितेश बोहरा (गेविन्स), अशोक कोठारी, पारस नबारिया, डॉ. घिसूलाल जैन, नवीन कावेडिया, ललित संकलेचा, दिनेश फागनिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

अंत में शीलकुमार खिवसरा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संगीतमय सुंदरकांड व भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) त्रिपाठी परिवार द्वारा पं. कमलेश त्रिपाठी मंचेरियाल वालों के पौत्र प्रणव त्रिपाठी के जन्मोत्सव के अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड व भजन संध्या का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पुष्पेंद्र शुक्ला, सोनू मिश्रा, प्रवीण, बाबाजी और दुर्गेश पवार ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर राकेश शुक्ला, सतीश संदीप त्रिपाठी, दिलीप त्रिपाठी, सोपाल तिवारी, राजेंद्र मिश्रा, अजय मिश्रा, संदीप तिवारी चोलना वाले, राजेश धूत, पवन शर्मा, आरती, भारती, डिंपल, सीमा, प्रीति, रोशनी, पिंकी, सरोज, सुनीता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रक्षा अनुप्रयोगों हेतु आर्मर ग्रेड एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेट्स के स्वदेशी उत्पादन में मिधानि ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत मिनीरत्न श्रेणी ख सार्वजनिक उपक्रम, ने देश में पहली बार रक्षा अनुप्रयोगों हेतु आर्मर ग्रेड एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेट्स का स्वदेशी उत्पादन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को सशक्त बनाने और सामरिक सामग्रियों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मिधानि ने अत्याधुनिक वाइड प्लेट मिल का उपयोग कर उच्च शक्ति 7XXX श्रृंखला एल्युमिनियम एलॉय प्लेट्स को सफलतापूर्वक प्रोसेस किया। एल्युमिनियम जिंक मैग्नीशियम (Al Zn Mg) एलॉय इंगट को पहले फोर्ज किया गया और बाद में 23 X 1350 X 4500 मिमी (लगभग) आकार की आर्मर ग्रेड प्लेट्स में रोल किया गया। इससे पहले विकासात्मक प्रयास में मिधानि ने 2XXX श्रृंखला एल्युमिनियम एलॉय प्लेट्स को 8 X 2800 X 12000 मिमी (लगभग) आकार में सफलतापूर्वक रोल किया था। अपनी मौजूदा क्षमताओं के साथ, मिधानि 3000 मिमी चौड़ाई तक की प्लेट्स रोल कर सकती है, जो इसकी तकनीकी क्षमता को और मजबूत बनाता है।

इस उपलब्धि से भारत में पहली बार कठोर एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेट्स के फोर्जिंग और रोलिंग की स्वदेशी क्षमता स्थापित हुई है। अब तक इन उच्च शक्ति एलॉय प्लेट्स का आयात किया जाता था। मिधानि की इस सफलता से आयात पर निर्भरता कम होगी और देश में सामरिक सामग्रियों के उत्पादन की क्षमता बढ़ेगी।

यह उपलब्धि रक्षा और सामरिक क्षेत्रों के लिए मिधानि के उन्नत सामग्रियों के पोर्टफोलियो को और विस्तृत करती है तथा विशेष धातुओं और मिश्र धातुओं के भारत के प्रमुख निर्माता के रूप में इसकी स्थिति को सुदृढ़ करती है। यह उपलब्धि भारत सरकार के स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को सशक्त बनाने और महत्वपूर्ण सामग्रियों में तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मिधानि प्रबंधन ने कहा है कि आर्मर ग्रेड एल्युमिनियम एलॉय वाइड प्लेट्स का सफल विकास संगठन की नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता और स्वदेशी क्षमताओं के माध्यम से राष्ट्र के सामरिक कार्यक्रमों को समर्थन देने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह विकास भविष्य के रक्षा प्लेटफॉर्म्स के लिए महत्वपूर्ण आर्मर सामग्रियों का विश्वसनीय घरेलू स्रोत प्रदान करेगा और भारत के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस उपलब्धि के साथ, मिधानि रक्षा, एयरोस्पेस, अंतरिक्ष, ऊर्जा और अन्य महत्वपूर्ण उद्योगों सहित सामरिक क्षेत्रों के लिए उन्नत सामग्रियों की आपूर्ति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगी, जिससे भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा की यात्रा को मजबूती मिलेगी।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना परम सौभाग्य, सेवा ही जीवन का सच्चा धर्म : राजकुमार अग्रवाल

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीर एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। अन्नदान के इस पुनीत कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ भाग लेकर सेवा भाव का परिचय दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना उनके जीवन का परम सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां लोग अपने-अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यह केवल अन्नदान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भूखे और जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का एक पवित्र प्रयास है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसका पेट भरना नहीं, बल्कि उसके जीवन में आशा, सम्मान और अपनत्व का संचार करना है। र

ाधे-राधे ग्रुप इसी भावना को आत्मसात करते हुए वर्षों से निरंतर सेवा कार्यों में जुटा हुआ है। ग्रुप के सदस्यों का समर्पण, अनुशासन और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर रविंद्र गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत एवं कमला देवी कुमावत सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और अन्नदान सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मानवता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर लंगर हाउस स्थित जी.एम. गार्डन फंक्शन हॉल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया रोगियों की सहायता करना था, जिन्हें नियमित रक्त आधान की आवश्यकता होती है। रक्त संग्रहण थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) द्वारा किया गया।

श्री वासुपुज्य तारक धाम के अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर कटारिया परिवार के अशोक कटारिया को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, जैन सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष सीए जसराज श्रीश्रीमाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

झमाझम बरसी बरखा से राहत पर जनजीवन अस्तव्यस्त

नगरद्वय के निचले इलाकों में भरा पानी, ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
नगरद्वय व सीमावर्ती क्षेत्रों के कई हिस्सों में गुरुवार को मध्यम से भारी बारिश हुई। झमाझम बरसी बरखा से लोगों को चिलचिलाती धूप व गर्मी से राहत तो मिली, पर जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। नगरद्वय हैदराबाद सिकंदराबाद के निचले इलाकों में पानी भर गया और मुख्य व आंतरिक सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई।

बारिश से शाम के समय तापमान सामान्य से नीचे चला गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य में आगे भी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई है।

गुरुवार को हैदराबाद शहर में हुई भारी बारिश से आम ज़िंदगी पर बुरा असर पड़ा। शहर के कई हिस्सों में सड़कों पर बारिश का पानी जमा होने से गाड़ी चलाने वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बाजारों में पानी भर जाने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

दोपहर में शुरू हुई बारिश कई जगहों पर तेज़ हो गई। पंजागुट्टा, बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, फिल्मनगर, टोली चौकी, यूसुफगुडा, बोराबंडा, एर्रागड्डा, कुकटपल्ली, माधापुर, हाईटेक सिटी, मीरपेट और दूसरे इलाकों में भारी बारिश हुई। पांडुरंगनगर, अत्तापुर, हैदरगुड़ा, कुक्कटपल्ली, आदि इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं।

बारिश की वजह से मुख्य सड़कों पर पानी जमा होने से ट्रैफिक जाम बढ़ गया। गाड़ियों की आवाजाही धीमी हो गई, खासकर उन इलाकों में जहां बहुत सारी खढ कंपनियां हैं। पंजागुट्टा से अमिरपेट तक भारी जाम लगा रहा।

फ्लोर मिल के पास कुछ निचले इलाकों में लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा, क्योंकि बारिश का पानी बस्तियों में घुस गया। सड़कों पर पानी भरने की वजह से आने-जाने वालों को दूसरे रास्ते अपनाने पड़े। ऑफ़िस से घर लौट रहे कर्मचारियों को ट्रैफ़िक में फंसने की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

काप्रा नगर पालिका क्षेत्र में दमाईगुड़ा में सड़क पर पेड़ गिरने से यातायात ठप्प हुआ। राधिका सिनेमा से जलपाईगुड़ा रोड पर कई सड़कें जलमग्न हो गईं।

संबंधित विभागों के अधिकारी लगातार हालात पर नज़र रख रहे हैं। जिन इलाकों में पानी जमा हो गया है, वहां ज़रूरी कदम उठाने के लिए स्टाफ़ को अलर्ट कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि राहत कार्य तेज़ किए जा रहे हैं, ताकि बारिश से प्रभावित इलाकों में लोगों को कोई मुश्किल न हो।

इस बीच, मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि हैदराबाद और आस-पास के इलाकों में कल शुक्रवार को भी हल्की से मध्यम बारिश जारी हो सकती है। अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी दी है कि वे ज़रूरत पड़ने पर ही बाहर निकलें और पानी भरी सड़कों पर यात्रा करते समय सावधानी बरतें।

आज भी कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना

स्थानीय मौसम विशेषज्ञ टी. बालाजी ने कहा कि गुरुवार, 18 जून को शहर के पूर्वी बाहरी इलाकों में घटकेसर, अब्दुल्लापुरमेट, गौरेली, पेड्डा अंबरपेट, कुंटलूर और कवडीपल्ली इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए कहा कि गरज और तेज़ हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी पहले ही जारी की गई है। दक्षिण और मध्य तेलंगाना में शुक्रवार से मानसून जोर पकड़ सकता है।

राज्यपाल ने हरित भारत – ऊर्जा, जल और ईंधन बचाओ राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
पर्यावरण स्थिरता और जिम्मेदार संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने गुरुवार को हैदराबाद में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हरित भारत – ऊर्जा, जल और ईंधन बचाओ शीर्षक से एक जन जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया। यह अभियान इग्नाइटिंग माइंड्स मिशन, दिव्य प्रेम सेवा मिशन और इंडियन सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी नेटवर्क (आईएसआरएन) द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य देश भर के नागरिकों को स्थायी प्रथाओं को अपनाने और ऊर्जा, पानी, ईंधन तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। पोस्टर का यह विमोचन पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ जीवन शैली और मूल्यवान संसाधनों की बर्बादी को कम करने पर केंद्रित एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान का हिस्सा है। इस पहल का लक्ष्य व्यक्तियों, समुदायों और संस्थानों को अपनी दैनिक जीवन शैली में सरल बदलाव करने के लिए प्रेरित करना है, जो सामूहिक रूप से पर्यावरण पर एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने अभियान में शामिल संगठनों के प्रयासों की सराहना की और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि एक स्थायी और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा, पानी और ईंधन का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया।

आयोजकों ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने दैनिक जीवन में स्वेच्छा से संसाधन संरक्षण की आदतों को अपना ले, तो स्थिरता की ओर भारत की प्रगति को और गति दी जा सकती है। इस जागरूकता पहल के तहत ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, युवा संगठनों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) और नागरिक समाज समूहों से जिम्मेदार उपभोग तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश को व्यापक रूप से फैलाने की अपील की गई है। भाग लेने वाले संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना केवल एक पर्यावरणीय दायित्व नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास और आर्थिक विकास में भी एक बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक उपभोग को कम करके हम देश के सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।

तेलंगाना कैबिनेट के बड़े फैसले: 30 जून से शुरू होगा रैतु भरोसा का भुगतान, नीट परीक्षार्थियों को मिलेगी मुफ्त बस यात्रा की सौगात

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
तेलंगाना राज्य कैबिनेट की बैठक में कई जनहित और नीतिगत फैसले लिए गए हैं। सरकार ने आगामी 30 जून से क्रमबद्ध तरीके से 'रैतु भरोसा' योजना की राशि जारी करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही छात्रों के हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए कैबिनेट ने 21 जून को होने वाली नीट (छएएढ) परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए टीजीएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने की घोषणा की है। स बार तेलंगाना सरकार की कैबिनेट बैठक में एक बड़ा तकनीकी बदलाव देखने को मिला। यह पूरी बैठक पूरी तरह से पेपरलेस (कागज-रहित) रही। नीतिगत मामलों और एजेंडों को समझने के लिए मंत्रियों द्वारा डिजिटल उपकरणों और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया, जो शासन व्यवस्था में एक बड़े डिजिटल बदलाव का संकेत है।कैबिनेट ने विद्यार्थियों के कल्याण के लिए 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के दिन मुफ्त बस

सेवा को मंजूरी दी है। तेलंगाना के 208 केंद्रों पर परीक्षा देने वाले लगभग 2.95 लाख छात्र केवल अपना हॉल टिकट दिखाकर इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। कृषि क्षेत्र की बात करें तो, आगामी वानकालम (खरीफ) सीजन के लिए बहुप्रतीक्षित 'रैतु भरोसा' निवेश सहायता कोष 30 जून से चरणबद्ध तरीके से जारी किया जाएगा। इसका आधिकारिक शुभारंभ खम्मम जिले के मधिरा में एक विशाल किसान रैली के दौरान किया जाएगा। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने वित्तीय संवितरण और नए राज्य प्रोत्साहन बोनस ढांचे की विस्तृत जानकारी दी। कैबिनेट ने बारीक धान के लिए वित्तीय बोनस को केवल सात आधिकारिक रूप से अधिसूचित बीज किस्मों तक सीमित करने का निर्णय लिया है, जो बदलते पर्यावरण के अनुकूल हैं। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना ने यासंगी (रबी) सीजन के दौरान रिकॉर्ड लगभग 80 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद कर एक अभूतपूर्व मील का पत्थर हासिल किया है। हालांकि, उन्होंने रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा कम खरीद स्तर पर गहरी चिंता व्यक्त की और केंद्र से राज्य के पूरे धान उत्पादन को खरीदने और खरीफ के उर्वरक कोटे को तुरंत जारी करने का आग्रह किया। राज्य ने मौसमी किल्लत को रोकने के लिए रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड संयंत्र में स्थानीय रूप से उत्पादित यूरिया में से बड़े हिस्से की मांग भी की है।

आईसीएमआर – एनआईएन में राजभाषा नियम, कार्यान्वयन एवं तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आई.सी.एम.आर. – राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एन.आई.एन.) में गुरुवार दि. 18 जून 2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक / वैज्ञानिक – जी डॉ. सुब्बाराव एम. गवरवरपु की उपस्थिति में हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। उन्होंने संस्थान द्वारा प्रत्येक तिमाही में आई.सी.एम.आर. को भेजी जाने वाली तिमाही प्रगति रिपोर्ट समय पर भेजने हेतु निदेश दी है। इस कार्यशाला में उपस्थित प्रशासनिक कर्मचारियों को उन्होंने संबोधित किया।

इसके पश्चात पूर्व – राजभाषा सलाहकार श्रीरामाराव ने कार्यशाला के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी नियम से सभी को अवगत कराया। उन्होंने राजभाषा नियम का पालन पर ज़ोर देते हुए राजभाषा अनुभाग के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया।

राजभाषा सलाहकार वी. संतोषी दीपिका ने तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरने संबंधी जानकारी प्रदान की है। उन्होंने उक्त रिपोर्ट के सभी मदों को विस्तार से समझाया और समय पर तिमाही रिपोर्ट हेतु आंकड़े प्रस्तुत करने के संबंध में सभी से अनुरोध किया।

अंत में, कार्यशाला में उपस्थित स्टाफ को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी क्विज़ आयोजित किया गया और सही उत्तर देने वाले स्टाफ को पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन ने न केवल कर्मचारियों में उत्साह और सहभागिता को बढ़ावा दिया, बल्कि राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ किया।

कल्याण लक्ष्मी योजना के 276 लाभार्थियों को चेक वितरित

गोशामहल विधानसभा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक टी. राजा सिंह ने लाभार्थियों से की बातचीत

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गोशामहल विधानसभा कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 276 लाभार्थी परिवारों को चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर गोशामहल के विधायक ढ. ठरक्षर डळपसह ने प्रत्येक लाभार्थी परिवार से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान कई परिवारों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत स्वीकृत चेक प्राप्त करने में उन्हें एक वर्ष से लेकर कहीं-कहीं डेढ़ वर्ष तक का समय लग रहा है। लाभार्थियों के अनुसार, पहले यह सहायता राशि दो से तीन माह के भीतर उपलब्ध हो जाती थी, लेकिन वर्तमान में अत्यधिक देरी के कारण गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को अपनी बेटियों के विवाह के समय आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर विधायक टी. राजा सिंह ने कहा कि तेलंगाना की जनता विभिन्न प्रकार के करों का भुगतान करती है और इन्हीं करों से प्राप्त राजस्व के माध्यम से सरकार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित करती है। ऐसे में जनता के लिए निर्धारित सहायता राशि के वितरण में इतनी लंबी देरी होना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की बेटियों का विवाह होता है और जो कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत आवेदन करते हैं, उन्हें समय पर सहायता मिलना आवश्यक है। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ठर्शीरपींह ठशववू से आग्रह किया कि योजना के लाभार्थियों को आवेदन के एक से दो माह के भीतर चेक उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके और उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

जरूरतमंद परिवार को भेंट किया गया राशन और गृहस्थी का सामान

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है के मूल मंत्र के साथ सेवा परमो धर्माः संस्था ने मंगलवार को सिख विलेज, ताड़बंद स्थित वम्शी एन्क्लेव में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के तहत एक अत्यंत ज़रूरतमंद परिवार को आत्मनिर्भर बनाने और दैनिक जीवन को सुगम करने के उद्देश्य से गृहस्थी का आवश्यक सामान व एक माह का राशन भेंट किया गया।

संस्था द्वारा परिवार को रसोई उपकरणों में गैस चूल्हा, मिक्सर ग्राइंडर, डोसा तवा और लाइटर दिए गए। बर्तन व घरेलू उपयोग की सामग्री में स्टील के ग्लास, प्लेटें, चाकू तथा खाद्य सामग्री रखने के लिए 6 प्लास्टिक के डिब्बे शामिल थे। साथ ही पूरे माह का संपूर्ण घरेलू राशन भी दिया गया।

कार्यक्रम के समापन पर संस्था सदस्या श्रीमती सुमन घोडेला ने सभी सदस्यों की समय पर उपस्थिति व निःस्वार्थ सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी इसी समर्पण से सेवा कार्य जारी रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्था के कई सम्मानित सदस्यों ने भाग लिया।

भावभीनी श्रद्धांजलि

श्री सुरेश कुमारजी उपाध्याय
(सुपुत्र : स्व. श्री रामपालजी उपाध्याय, बख्तूरी बावड़ी, निमाज)
(अध्यक्ष : सिखवाल सेवा संघ)
स्वर्गवास : सोमवार दि.8-6-2026

आपका स्नेह, सेवा और समाज के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। आपके निधन से समाज ने एक सम्मानित एवं प्रेरणास्त्रोत व्यक्तित्व खो दिया है। परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को चिर शान्ति एवं शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –
मारवाड़ी सिखवाल ब्राह्मण समाज
सिखवाल प्रगति समाज
फीलखाना, भाग्यनगर, हैदराबाद

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.